राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 208 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 09 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने की जेएनयू वीसी शांतिश्री की नियुक्ति की कड़ी आलोचना

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने जेएनयू की कुलपति (वीसी) के रूप में शांतिश्री धूलिपुडी पंडित की नियुक्ति की मंगलवार को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की 'औसत दर्जे की नियुक्तियां हमारी मानव पूंजी और युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाती हैं। वरुण ने पदभार संभालने के बाद पंडित द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति को ट्विटर पर साझा किया और कहा कि यह 'निरक्षरता का प्रदर्शन है। भाजपा सांसद ने कहा, 'जेएनयू की नई वीसी की यह प्रेस विज्ञप्ति 'निरक्षरता का प्रदर्शन है, जिसमें व्याकरण संबंधी अशुद्धियों की भरमार है। इस तरह की औसत दर्जे की नियुक्तियां हमारी मानव पूंजी और हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने का काम करती हैं। केंद्र सरकार ने 59 वर्षीय पंडित को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की नई कुलपति नियुक्त किया है, जिससे वह इस विश्वविद्यालय में इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला बन गई हैं। पंडित जेएनयू की छात्रा रह चुकी हैं। उन्होंने यहां से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एमफि ल के साथ-साथ पीएचडी की है।

उत्तराखंड में बोले राजनाथ सिंह, हमारा पुष्कर ना कभी झुकेगा, ना कभी रूकेगा....

देहरादून (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल फिल्म पुष्पा चर्चा में है और हमारे सीएम का नाम पुष्कर है, कांग्रेस के लोग समझते हैं कि ये पुष्कर तो फ्लॉवर है लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि अपना पुष्कर फ्लॉवर भी है और फायर भी, हमारा पुष्कर ना कभी झुकेगा, ना कभी रूकेगा.... राजनाथ सिंह ने आज उत्तराखंड के गंगोलिहाट में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस की स्थिति ये है कि वो मुख्यमंत्री घोषित करने की हालत में नहीं हैं, इसलिए उन्होंने किसी नेता की घोषणा नहीं की है। उनके घर में ही आग लगी हुई है। वहीं रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं कांग्रेस के संबंध में कहना चाहूंगा कि ना इनकी कोई नीति है, ना इनकी कोई नियत और ना इनका विकास करने में कोई विश्वास है। कांग्रेस ने हमेशा देश और प्रदेश को लूटा है। हम उत्तराखंड को और नहीं झुकने देंगे।

कोविड-19 महामारी के दौरान ई-स्टडी के जरिये छात्रों तक पहुंच बनाई गई: सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी के प्रसार के कारण ऐहतियातन स्कूल बंद होने की स्थिति को देखते हुए सरकार ने बताया कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा देने के लिये पीएम ई-विद्या योजना शुरू की गई तथा दीक्षा एवं निष्ठा कार्यक्रम के जरिये छात्रों से संपर्क स्थापित किया गया। लोकसभा को पी पी चौधरी, जगदम्बिका पाल, महेन्द्र सिंह सोलंकी, सुनील कुमार सिंह, बृजभूषण शरण सिंह, प्रताप चंद्र सारंगी, डा. सुभाष भामरे के प्रश्न के लिखित उत्तर में शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि महामारी के कारण छात्रों की पढ़ाई में व्यवधान को ध्यान में रखते हुए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से चर्चा के बाद छात्रों तक पहुंच बनाने के लिये प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए बहुआयामी दृष्टिकोण के आधार पर योजना बनाई गई।

भाजपा ने जारी किया चुनावी घोषणा पत्र

संकल्प पत्रः छात्राओं को मुफ्त स्कूटी, 3 करोड़ युवाओं को रोजगार

- परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने का वादा
- किसानों को भुगतान और एमएसपी पर जोर

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने 'लोक कल्याण संकल्प पत्र' के नाम से चुनावी घोषणापत्र जारी कर दी है। संकल्प पत्र के कवर पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें है। बीजेपी के संकल्प पत्र में अगले 5 वर्षों में प्रत्येक परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार या स्वरोजगार देने का वादा किया गया है। इसमें 5 वर्षों में 3 करोड़ युवाओं को रोजगार अथवा स्वरोजगार देने का दावा किया गया है. साथ ही कॉलेज जाने वाली मेधावी छात्राओं को मुफ्त में स्कूटी देने का वादा भी किया गया है। किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से कई तरह के कदम उठाने की बात कही गई

है। भाजपा की ओर से जारी लोक कल्याण संकल्प पत्र में उज्ज्वला योजना के तहत होली और दीपावली के मौके पर 2 सिलेंडर मुफ्त में देने का वादा भी किया गया है। भाजपा की ओर से संकल्प पत्र के नाम से जारी चुनावी घोषणापत्र में अगले 5 वर्षों में सभी किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वादा किया है। इसके अलावा 5000 करोड़ रुपये की लागत से मुख्यमंत्री कृषि सिंचाई योजना शुरू करने की बात कही गई है। इस योजना के तहत छोटे एवं सीमांत किसानों को बोरवेल, ट्यूबवेल, तालाब, टैंक आदि के निर्माण में अनुदान दिया जाएगा। 25,000 करोड़ रुपये की लागत से सरदार वल्लभ भई पटेल एग्री-इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना शुरू करने की भी घोषणा की गई है। इसके तहत प्रदेश भर में छंटाई और ग्रेडिंग यूनिट, कोल्ड चेन चौंबर्स, गोदाम, प्रोसेसिंग यूनिट आदि का निर्माण किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ व भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया गया। इसमें गन्ना किसानों और न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर खासतौर पर घोषणाएं की गई हैं। चुनावी घोषणापत्र में अगले 5 वर्षों में सरकार द्वारा एमएसपी पर गेहूं और धान की खरीद को और दुरुस्त करने की बात कही गई है। गन्ना किसानों का 14 दिन के अंदर भुगतान का भी वादा किया गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि यदि इस अवधि के अंदर भुगतान नहीं होगा तो मिलों से ब्याज वसूल कर गन्ना किसानों का भुगतान किया जाएगा। भाजपा ने सरकार में आने पर 5000 करोड़ रुपये की लागत से गन्ना मिल नवीनीकरण मिशन चलाने का वादा भी किया है। चीनी मिलों का आधुनिकीकरण करने की बात कही गई है।

प्रधानमंत्री मोदी को महाराष्ट्र का अपमान करते देखना मेरे लिए दुखदः सुप्रिया सुले

(एजेंसी)

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों के लिए ट्रेनें महाराष्ट्र से अधिक गुजरात से चलाई गईं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों को डराकर मुंबई छोड़ने के लिए ''उकसाने का आरोप लगाया था। मोदी ने लोकसभा में आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान ''सभी हदें पार कर दीं। उन्होंने पार्टी पर श्रमिकों को उकसाने और डराने का आरोप लगाया और दावा किया कि इसके कारण प्रवासी श्रमिक मुंबई छोड़कर अपने मूल स्थान गए। महाराष्ट्र में शिवसेना नीत महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार है। कांग्रेस और राकांपा भी इसका हिस्सा है। सुप्रिया सुले ने मंगलवार को नयी दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री का महाराष्ट्र को निशाना बनाना दुखद है, जिसने 2019 आम चुनाव में उनकी पार्टी की जीत में अहम योगदान किया था। सुले ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद हरीश द्विवेदी ने पिछले हफ्ते लोकसभा में अपने भाषण में गर्व से कहा था कि केन्द्र सरकार ने प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए ट्रेनों का संचालन किया था। उन्होंने कहा, 'तो फिर प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषण में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पंजाब के बारे में ही क्यों बात कर रहे हैं? प्रधानमंत्री मोदी को महाराष्ट्र का अपमान करते हुए देखना मेरे लिए दुखद था, वह भी तब जब हम उनसे चीन, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बोलने की उम्मीद कर रहे थे।' सुले से दावा किया, 'भारतीय रेलवे के आंकड़ों में पाया गया है कि गुजरात से प्रवासियों के लिए 1033 ट्रेनें चलीं, जबकि महाराष्ट्र से 817 श्रमिक ट्रेनें ही चलाई गईं।

परिसीमना आयोग से नाखुश दिख रहे हैं भाजपाई, जम्मू में दिया विरोध इस्तीफा

(एजेंसी)

जम्मू। लगभग सभी राजनीतिक दलों द्वारा जम्मू-कश्मीर पर परिसीमन आयोग की मसौदा रिपोर्ट का विरोध करने के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई कार्यकर्ताओं ने जम्मू जिले में सुचेतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रस्तावित विलय के विरोध में इस्तीफा दे दिया।खंड विकास आयोग (बीडीसी) के पदाधिकारियों, पंचायत और संगठन के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के महासचिव अशोक कौल से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंपा। भाजपा नेता कबाल सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम यहां श्री अशोक कौल जी (महासचिव) से मिले। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट के विरोध में हमने पार्टी से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है, जिसमें हमारे निर्वाचन क्षेत्र को आर एस पुरा निर्वाचन क्षेत्र के साथ मिला दिया गया है। हम तब तक लड़ेंगे जब तक फै सला वापस नहीं लिया जाता। नेताओं ने कहा कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र को बहाल करने के लिए लड़ेंगे, जिसे 1986 में बनाया गया था। उन्होंने कहा, ष्हम अपने निर्वाचन क्षेत्र की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर देंगे। बीडीसी अध्यक्ष तरसीम सिंह ने कहा कि उन्होंने उनकी मांगें पूरी होने तक भाजपा के लिए काम नहीं करने का फै सला किया है। उन्होंने कहा, हम रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करते हैं। हमारे निर्वाचन क्षेत्र में 75,000 का वोट बैंक है।

दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'मेड इन इंडिया उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ाएं

(एजेंसी) नई दिल्ली। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को भारत में डिजाइन और निर्मित (मेड इन इंडिया) उत्पादों को अपनाने की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि सरकार कारोबारी सुगमता बेहतर करने और दूरसंचार क्षेत्र में नियमन कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। वैष्णव ने भारत में दूरसंचार विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक कंपनियों को भारतीय उद्यमियों, कंपनियों, विनिर्माताओं, स्टार्टअप एवं डेवलपरों के साथ भागीदारी बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल ही में सेमीकंडक्टर की किल्लत दूर करने के लिए घरेलू स्तर पर शुरू किए गए समग्र सेमीकंडक्टर कार्यक्रम को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने नए दौर की प्रौद्योगिकी अपनाने में भारत की सक्रिय पहल का जिक्र करते हुए कहा कि देश में 5जी नेटवर्क भी विकास के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। दूरसंचार मंत्री ने कहा कि भारत ने स्वदेशी रूप से 4जी का प्रमुख नेटवर्क एवं रेडियो नेटवर्क विकसित किया है और अब 6जी मानकों के विकास में भी शिरकत कर रहा है। उन्होंने कहा, ''सरकार के नजरिये से देखें, तो हम नियमन को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि यह मौजूदा दौर की जरूरतों के अनुरूप रहे। उद्योग जगत को भी निवेश के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। हम चाहते हैं कि उद्योग जगत सरकार के साथ संवाद स्थापित करने में बेहद सहज महसूस करे। उन्होंने दूरसंचार उद्योग, जानकारों, संगठनों एवं वैश्विक कंपनियों से भारत में डिजाइन एवं विकसित उत्पादों पर गंभीरता से गौर करने का अनुरोध करते हुए कहा, ''इससे गुणवत्ता बेहतर होगी और उत्पाद अधिक किफायती भी होंगे। उन्होंने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला

कहा-कांग्रेस एक तरह से शहरी नक्सलियों के कब्जे में

(एजेंसी) नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि विपक्षी पार्टी एक तरह से शहरी नक्सलियों के नियंत्रण में आ गयी है तथा लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों से है। उन्होंने विपक्षी पार्टी को सुझाव दिया कि वह अपना नाम 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' से बदलकर 'फेडरेशन ऑफ कांग्रेस कर ले। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिये बिना उनके इस बात पर प्रहार करते हुए कही कि ''भारत राष्ट्र नहीं है और यह राज्यों का संघ है। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए मोदी ने कहा कि चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने लोकतंत्र पर खतरे की बात कही लेकिन वह यह भूल गए कि यह लोकतंत्र उनकी मेहरबानी से नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरह

से शहरी (अर्बन) नक्सलियों के कब्जे में है और वे उसके विचारों एवं विचारधारा को नियंत्रित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की बातों का कांग्रेस ने कड़ा प्रतिकार किया और फिर सदन से बहिर्गमन किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि देश में आपातकाल थोंपने वालों को और लोकतंत्र का गला घोटने वाले को लोकतंत्र पर उपदेश देने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''भारत लोकतंत्र की जननी है और दुनिया में इसकी चर्चा होती है लेकिन कांग्रेस की कठिनाई है कि परिवारवाद के आगे उन्होंने कुछ सोचा ही नहीं...भारत के लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों से है, यह मानना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब किसी पार्टी में कोई एक परिवार सर्वोपरि हो जाता है तो इसका सबसे पहला नुकसान प्रतिभा का होती है। प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपने-अपने राजनीतिक दलों में लोकतांत्रिक आदर्शों व मूल्यों को विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की सबसे पुरानी पार्टी के रूप में कांग्रेस को तो इसकी जिम्मेदारी जरूर उठानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि देश की आजादी के बाद कांग्रेस को विलुप्त करने की बात कही थी और ऐसा हो गया होता तो दशकों तक देश को विभिन्न समस्याओं से दो-चार न होना पड़ता। उन्होंने कहा कि अगर महात्मा गांधी की इच्छा के अनुसार कांग्रेस ना होती तो लोकतंत्र परिवारवाद से मुक्त होता है और भारत विदेशी के बजाए स्वदेशी संकल्पों के रास्ते पर चलता। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस जब तक सत्ता में रही तो उसने देश का विकास नहीं होने दिया और आज जब विपक्ष में है तो वह देश के विकास में बाधा डाल रही है। राहुल गांधी के ''भारत राष्ट्र नहीं है और यह राज्यों का संघ है संबंधी बयान की ओर इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तो कांग्रेस को भारत के लिए ''राष्ट्र पर भी आपत्ति है। उन्होंने कहा कि यह कल्पना ''गैर संवैधानिक है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि कांग्रेस को राष्ट्र शब्द से इतनी ही आपत्ति है तो उसने अपने दल के नाम में राष्ट्रीय क्यों रखा है। उन्होंने कहा, ''तो आपकी पार्टी का नाम इंडियन नेशनल कांग्रेस क्यों रखा गया है। आपको नई सोच आई है तो इंडियन नेशनल कांग्रेस नाम बदल दीजिए और फेडरेशन ऑफकांग्रेस कर लीजिए।

यूपी में पहले चरण के लिए समाप्त हुआ चुनाव प्रचार

58 विधानसभा सीटों के लिए 10 फरवरी को होगा मतदान

(संवाददाता) लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए मंगलवार को शाम पांच बजे प्रचार समाप्त हो गया। पहले चरण में प्रदेश के 11 जिलों की 58 सीट पर 10 फरवरी को मतदान होगा। चुनाव प्रचार के दौरान सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत लगाई, हालांकि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग द्वारा लगाई गईं पाबंदियों के कारण ज्यादातर चुनाव प्रचार वर्चुअल माध्यम से हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के चुनाव अभियान की अगुवाई करते हुए प्रदेश की ''डबल इंजन सरकार'' की उपलब्धियों का विस्तार से जिक्र किया और इस दौरान सपा-रालोद का गठबंधन उनके मुख्य निशाने पर रहा। पहले चरण के चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कैराना से पलायन का मुद्दा भी हावी

रहा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान उन्होंने मथुरा में घर-घर जाकर प्रचार भी किया। उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में गठबंधन ने भी जमकर प्रचार किया। इस दौरान अखिलेश और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कई स्थानों पर संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन किए। समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) का चुनाव प्रचार मुख्यत: किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द रहा और वे सत्तारूढ़ भाजपा पर लगातार झूठ बोलने का आरोप लगाते रहे। वहीं, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने आगरा में रैली की और विभिन्न मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दलों पर भी हमला किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी पहले चरण में मतदान वाले विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया और घर-घर जाकर वोट मांगे। उत्तर प्रदेश की जिन 58 सीट पर पहले चरण में मतदान होगा, उनमें से नौ सुरक्षित सीट हैं। मतदान 10 फरवरी को सुबह सात बजे शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा। इस चरण में शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा तथा आगरा जिलों की विभिन्न सीट के लिए मतदान होगा। इस दौरान करीब दो करोड़ 27 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

पीएम ने छोटी बात कर झूठ बोला, बीजेपी राक्षस है, मुझे राजनीति नहीं आती: केजरीवाल

(एजेंसी)

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस और बीजेपी पर जमकर हमला बोला। एक न्यूज चौनल को दिए इंटरव्यू में केजरीवाल ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने कोरोना के दौरान हुए पलायन पर जो बयान दिया गया,वह गलत है, पीएम ने छोटी बात करके, झूठ बोला। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने कल लोकसभा में आरोप लगाया कि महाराष्ट्र और दिल्ली की सरकार ने वहां काम करने वाले मजदूरों को वापस यूपी, बिहार आदि राज्य भेजा, जिससे वहां भी कोरोना फैला। सीएम केजरीवाल ने कहा कि हम राजनेता लोग आपस में तू-तू, मैं-मैं नहीं करनी चाहिए। आरोप प्रत्यारोप नहीं करने चाहिए. इससे जनता में सही मेसेज नहीं जाता। केजरीवाल ने कहा कि मुझे राजनीति नहीं करनी आती, यही मेरी सबसे बड़ी कमी है, मुझे गाली देनी नहीं आती। मुझे तू-तू मैं-मैं नहीं करनी आती, मुझे स्कूल बनाने आते हैं, बिजली अच्छी करनी आती है। मैं वो सब करने को तैयार हूं. इस देश में कहीं स्कूल बनवाने हों तो केजरीवाल को बुला लेना, कहीं हॉस्पिटल बनवाने हों, बिजली ठीक करवाने हों तो मुझे बुला लो. राजनीति बीजेपी को मुबारक। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी का हिंदुत्व सही है। वही बीजेपी राक्षस है जो कि अधर्म की राजनीति करती है. लिंचिंग की राजनीति करती है।

योगीजी आ जाएगा, तो सबको खा जाएगा: ममता

संकल्प पत्र या शपथ पत्र जारी करें बीजेपी, अब यूपी की जनता नहीं करेगी विश्वास: अखिलेश

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के समर्तन में आई बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की इस दौरान उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि जब कोविड में लोग मर रहे थे, तब यूपी में योगी जी आप कहां थे आप उन लोगों के परिवारों से माफी मांगों, जिन लोगों की लाशें गंगा में आपने बहाने को मजबूर किया आप जनता से माफी मांगों। ममता ने कहा कि मोदी कहते हैं कि हमने यूपी को पैसा दिया। मोदी जी क्या आपने अपने पॉकेट से पैसा दिया यह सभी पैसा स्टेट से मिलता है। वह जनता का रुपया है। वहीं इस दौरान अखिलेश भी भाजपा पर बरसते दिखे। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने कहा कि बंगाल में दीदी ने भाजपा को हरा दिया। दीदी दिल्ली से आईं, लेकिन दिल्ली वाले यूपी में नहीं आए। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष सोमवार को ही लखनऊ पहुंची थी। अमौसी एयरपोर्ट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी का गुलदस्ता देकर जोरदार स्वागत किया था। इस दौरान ममता बनर्जी भी अखिलेश का अभिवादन करती नजर आई थी। ममता की एंट्री से सपा काफी उत्साहित नजर आ रही है। ममता बनर्जी ने लखनऊ रवाना होने से पहले कहा, ''अखिलेश यादव ने मुझे यहां आने और सपा के लिए प्रचार करने का न्यौता दिया है। हम चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश में भाजपा हारे और अखिलेश यादव की सरकार बने। हम सभी को भाजपा के खिलाफ संघर्ष में उनका साथ देना चाहिए। यही कारण है कि हमने इस बार उत्तर प्रदेश में चुनाव नहीं लड़ने का फै सला किया है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र को लेकर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा जिनके वादे जुमले हैं। बातें झूठी हैं और जो हर बार जनता को झांसा देते हैं। वो घोषणा पत्र निकालें, संकल्प पत्र, वचन पत्र या शपथ पत्र जारी करें अब उत्तर प्रदेश की जनता उस पर विश्वास नहीं करेगी। भाजपा जनता के बीच विश्वास खो चुकी है। उन्होंने लखीमपुर कांड हिंसा, महिला सुरक्षा हाथरस, युवाओं पर इलाहाबाद में लाठीचार्ज, गोरखपुर में व्यापारी की मौत जैसे घटना को जानता नहीं भूलने वाली है। बता दें कि 2022 विधान सभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी आज घोषणा पत्र जारी किया है। वहीं सीएम योगी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो कहा वह कर दिखाया है। उन्होंने इस दौरान विपक्ष पर भी निशाना साधा। सीएम ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की पावन धरा को सपा सरकार के गुंडों ने रक्तरंजित किया था।

जबकि भाजपा ने भाजपा सरकार ने मथुरा को उस भयावह के दौर से निकाला है। आज श्ब्रज तीर्थ क्षेत्र के रूप में अपनी मथुरा पुनर्स्थापित हो रही है।

नेपाल सीमा पर चीन ने पसारे पांव, अवैध कब्जा कर बनाए भवन

काठमांडू। चीन अपनी विस्तारवादी नीति से किसी पड़ोसी देश को नहीं छोड़ना चाहता है। अब नेपाल सीमा पर भी चीन ने पांव पसार लिये हैं। वहां अवैध कब्जा कर कई भवनों का निर्माण किया गया है।

चीन और नेपाल हिमालय पर्वत श्रृंखला के बीच 1400 किलोमीटर के आसपास सीमा साझा करते हैं। इस सीमा का निर्धारण दोनों देशों के बीच 1960 के दशक में हुई एक संधि के आधार पर किया गया था। अब पता चला है कि अन्य पड़ोसी देशों की तरह नेपाल की जमीन पर भी चीन ने नजर गड़ा ली है। चीन ने सीमा पर नेपाल की जमीन पर कई भवनों का निर्माण किया है। नेपाल व चीन की सीमा पर लिमी लपचा से लेकर हुमला जिले के लमखा क्षेत्रों तक चीन ने पांव पसारे हैं। ऐसी शिकायतें पहले भी आई थीं।

इन शिकायतों के बाद बीते वर्ष नेपाल सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर चीन के अवैध कब्जों की जांच कराने के निर्देश दिये थे। बताया गया कि हाल ही में इस उच्च स्तरीय समिति ने चीन द्वारा नेपाल सीमा में घुस कर अवैध कब्जा करने और कई भवनों का निर्माण करने की पुष्टि की है। इस मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट नेपाल सरकार को सौंपी गयी है। इस संबंध में नेपाल स्थित चीन के दूतावास ने किसी प्रकार के अतिक्रमण को स्वीकार नहीं किया है। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल ने चीन के साथ अपने रिश्ते सुधारने के लिए अतिरिक्त मशक्कत की है। ऐसे में चीन द्वारा नेपाली जमीन पर अतिक्रमण का मसला इन रिश्तों के लिए गंभीर साबित हो सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में रेप-एक साल बाद प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने माफी मांगी; पूर्व कर्मचारी से डिफेंस मिनिस्टर के ऑफिस में किया था रेप

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने संसद में हुए सेक्शुअल हैरेसमेंट के मामलों पर देश से माफी मांगी है। 2019 में संसद की एक पूर्व कर्मचारी ब्रिटनी हिगिन्स से डिफेंस मिनिस्टर के ऑफिस में उनके एक सहयोगी ने रेप किया था। इस मामले की दुनियाभर में चर्चा हुई थी। इसके लिए तीन जांच कमेटियां बनाई थीं। अब यह साबित हो चुका है कि हिगिन्स के आरोप सही थे। मॉरिसन ने संसद में सबके सामने और कैमरों के सामने माफी मांगी। इस दौरान खुद हिगिन्स भी मौजूद थीं। मॉरिसन की बात सुनकर उन्होंने सिर झुका लिया।

हिगिन्स ने दिखाई हिम्मत

हिगिन्स के साथ 2019 में रेप हुआ था। इसके एक साल बाद खुद वो हिम्मत जुटाकर देश और दुनिया के सामने आईं। संसद की कमेटी को भी बताया कि क्या और कैसे हुआ था। इसके बाद जांच के लिए तीन कमेटियां बनाई गईं। अब तक एक की ही रिपोर्ट सामने आई है और उसमें हिगिन्स के आरोपों की पुष्टि की गई है। मंगलवार को संसद में प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने खुद इस मामले पर बयान दिया।

मॉरिसन ने कहा- मैं हिगिन्स से माफी मांगता हूं। इस जगह बहुत घिनौना जुर्म उनके साथ हुआ था। मैं इसलिए और शर्मिंदा हूं क्योंकि ऐसी ही कुछ और घटनाएं भी पहले हुई थीं। अब हमें यह रवैया यह कल्चर बदलना है और हम ये काम बहुत तेजी से कर रहे हैं।

'कल्चर ऑफ साइलेंस'

हिगिन्स का मामला जब सामने आया और उन्होंने अपने बॉस से इसकी शिकायत की तो उन्हें चुप रहने को कहा गया, क्योंकि उस वक्त देश में चुनाव होने वाले थे। हिगिन्स ने कहा- हमारे देश की पॉलिटिक्स में इस तरह के मामले कल्चर ऑफ साइलेंस के नाम पर दबा दिए जाते हैं।

स्पीच के दौरान हिगिन्स के साथ तीन और वो महिलाएं मौजूद थीं, जो संसद में कर्मचारी रह चुकी हैं और जिन्हें यहीं यौन हिंसा का सामना करना पड़ा था। हिगिन्स बुधवार को नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया से बातचीत करेंगी। अब तक उस कर्मचारी का नाम पब्लिक नहीं किया गया, जिसने हिगिन्स से रेप किया था।

क्या है मामला

2019 में हिगिन्स पार्लियामेंट्री की एक पार्टी में आई थीं। यहां उन्होंने बाकी लोगों के साथ शराब पी। वो कहती हैं- मेरे एक साथी ने मुझे घर छोड़ने का ऑफर दिया। लेकिन, वो व्यक्ति मुझे मेरे घर छोड़ने के बजाए पार्लियामेंट हाउस ले गया। यहां उसने डिफेंस मिनिस्टर के चैम्बर में मेरे साथ रेप किया। मुझे कुछ होश आया। उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही।

ब्रिटनी ने अब तक उस व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया है, जिसने उनके साथ रेप किया। हालांकि, ये जरूर कहा कि वो व्यक्ति लिबरल पार्टी का उभरता हुआ पॉलिटिशियन है।

3 राज्यों में कई स्कूल समुद्र के किनारे, यहां भूकंप-सुनामी का खतरा; अफसर बोले- आपदा आई तो कोई नहीं बचेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन स्टेट में मौजूद ओसियन शोर्स एलिमेंट्री स्कूल। यहां 350 बच्चे भूकंप और सुनामी से बचाव के तरीके सीख रहे हैं। भूकंप से बचने के लिए वो डेस्क के नीचे छिप जाते हैं। फिर सुनामी का अलर्ट मिलता है तो तेजी से स्कूल की दूसरी मंजिल की सीढ़ियों पर चढ़ने लगते हैं। अफसोस की बात यह है कि उनकी यह ट्रेनिंग भविष्य में किसी भी वक्त जरूरत बन सकती है, काम आ सकती है।

बात महज वॉशिंगटन स्टेट के इस हिस्से की नहीं है। अमेरिका के कम से कम तीन राज्यों में ऐसे स्कूल और रिहाइशें मौजूद हैं, जहां भूकंप और फिर सुनामी का खतरा मंडरा रहा है और इसकी पुष्टि वैज्ञानिकों की रिपोर्ट्स करती हैं।

साइंटिस्ट कहते हैं- हमारे उत्तर-पश्चिमी किनारों पर किसी भी वक्त 9.0 तीव्रता का भूकंप और फिर चंद मिनट में सुनामी का खतरा मौजूद है। चंद मिनट में निचले हिस्सों में 10 फीट तक पानी पहुंच सकता है। जिस एलिमेंट्री स्कूल की हम बात कर रहे हैं, वहां तो 23 फीट तक पानी पहुंच सकता है।

भारत के 'पथप्रदर्शक' शैक्षणिक नवोन्मेषक सराहना के हकदार : थोरप

लंदन। अमेरिकी शिक्षिका कीशिया थोरपे ने कहा है कि भारतीय उद्यमी, शिक्षाविद और अनुसंधान संगठन कोविड महामारी के दौरान शिक्षा प्रणाली के पुनर्निर्माण के वास्ते नवोन्मेषी तरीकों की खोज के लिए सराहना के हकदार हैं।

थोरपे अमेरिका के मैरीलैंड स्थित इंटरनेशनल हाई स्कूल लैंगले पार्क में अंग्रेजी की शिक्षिका हैं और नवंबर 2021 में उन्हें वैश्विक शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस पुरस्कार के तहत उन्हें 10 लाख डॉलर की राशि प्रदान की गई। इस पुरस्कार के लिए 121 देशों के करीब आठ हजार शिक्षकों को नामांकित किया गया था।

उन्होंने अमेरिका आने वाली पहली पीढ़ी के लोगों, निम्न आय वर्ग और अप्रवासी विद्यार्थियों को कॉलेज स्तर की शिक्षा मुहैया कराने में अहम योगदान दिया है।

थोरपे ने आह्वान किया कि भारत के 'पथप्रदर्शक' उद्यमियों, गैर लाभकारी और अनुसंधान संगठनों को वर्ष 2022 के 'क्लॉस जे जैकेब बेस्ट प्रैक्टिस पुरस्कार' के लिए नाम भेजना चाहिए ताकि पूरी दुनिया के शिक्षाविद उनके द्वारा विकसित नवोन्मेषी उपायों का अध्ययन कर सकें जिसकी मदद से उन्होंने कोविड-19 महामारी से इस क्षेत्र को बेहतर तरीके से उबारने में सहयोग दिया।

उल्लेखनीय है कि क्लॉस जे जैकेब बेस्ट प्रैक्टिस पुरस्कार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से उल्लेखनीय कार्य या तरीका अपनाने के लिए दिया जाता है और इसके लिए नामांकन की अंतिम तारीख 10 फरवरी है।

थोरपे ने कहा, '' भारत में बदलाव करने वाली प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उसके शिक्षा समुदाय में सृजनशीलता है जिससे वे नवोन्मेषी और व्यवहारिक उपाय पेश कर सकते हैं। ये उपाय पूरी दुनिया के शिक्षा क्षेत्र का पुनर्निर्माण कर सकते हैं।''

अफगानिस्तान में आतंकवादियों के पास ''अपार स्वतंत्रता'' है: संरा विशेषज्ञ

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि अफगानिस्तान में हाल में सत्ता में आए तालिबान के अल कायदा के साथ पूर्व संबंधों के कारण अफगानिस्तान चरमपंथियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन रहा है और ''आतंकवादी संगठनों के हालिया इतिहास में उन्हें वहां पहले से अधिक स्वतंत्रता मिली हुई है।''

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह दोनों से जुड़े चरमपंथी अफ्रीका, , खासकर अशांत साहेल में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक स्टेट इराक और सीरिया में ''एक ग्रामीण विद्रोह'' के रूप में सक्रिय है।

विशेषज्ञों ने कहा कि इंडोनेशिया और फिलीपीन दोनों ने इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा से जुड़े ''आतंकवाद'' से निपटने में एक ''महत्वपूर्ण बढ़त'' की जानकारी भी दी है। अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के खिलाफ लगे प्रतिबंधों की निगरानी करने वाली विशेषज्ञों की समिति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका और नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सैनिकों की 20 वर्ष बाद अफगानिस्तान से अराजकता भरी वापसी के बाद 15 अगस्त को तालिबान सत्ता में आया और तब से 2021 के अंतिम छह महीनों में कई घटनाएं हुई हैं।

चीन ने ओमीक्रोन के मामले बढ़ने के मद्देनजर बैस शहर में लॉकडाउन लगाया

बीजिंग। चीन ने कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दक्षिणी शहर बैस में परिवहन स्थगित कर दिया है और लोगों को घर पर ही रहने का आदेश दिया है।

साथ ही, कक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं, गैर जरूरी कारोबार को बंद कर दिया गया है और लोगों की बड़े पैमाने पर कोविड-19 जांच करने का आदेश दिया गया है। रेस्तरां को भी केवल भोजन खरीद कर ले जाने वाले ग्राहकों के लिए खोलने को कहा गया है और परिवहन को स्थगित करने के साथ-साथ ट्रैफिक सिग्नल को स्थायी रूप से लाल कर दिया गया है, ताकि वाहन चालकों को ताकीद रहे कि उन्हें घर पर ही रहना है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को शहर में कोविड-19 के 135 मामले सामने आए, जिनमें से कम से कम दो मामले ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के हैं।

उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के अंतर्गत आने वाला बैस नवीनतम शहर है। महामारी को कतई बर्दाश्त नहीं करने की चीन की नीति के तहत कम संख्या में भी मामले आने पर सख्त कदम उठाए जाते हैं।

चीन की चिंता बीजिंग में चल रहे शीतकालीन ओलंपिक खेल के दौरान महामारी को रोकने की है। हालांकि, मंगलवार को बीजिंग में कोविड का कोई मामला सामने नहीं आया।

ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने मंगलवार को बताया कि 30 से अधिक खिलाड़ी संक्रमित पाए जाने के बाद पृथकवास केंद्रों में हैं। संक्रमित होने पर औसतन सात दिनों तक पृथकवास में रहना होता है।

गौरतलब है कि बैस शहर की कुल आबादी करीब 14 लाख है जबकि आसपास के इलाकों में करीब अन्य 30 लाख आबादी निवास करती है। यह शहर वियतनाम की सीमा के करीब है।

अमेरिका ने आईएसआईएस-के सरगना सनाउल्ला गफ्फारी पर एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने आईएसआईएस-खोरासान (आईएसआईएस-के) के सरगना सनाउल्ला गफ्फारी और काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बीते साल हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों से जुड़ी सूचना देने पर एक करोड़ डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है।

अमेरिका के रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) विभाग ने सोमवार को इस आशय की अधिसूचनाएं जारी कीं।

अधिसूचना के मुताबिक, 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस आईएसआईएस-के सरगना शहाब अल-मुहाजिर, जिसे सनाउल्लाह गफ्फारी के नाम से भी जाना जाता है, की जानकारी देने के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की पेशकश कर रहा है।'

इसमें कहा गया है कि इनाम '26 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान के काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की जानकारी देने' के लिए भी है।

आरएफजे के अनुसार, 1994 में अफगानिस्तान में जन्मा गफ्फारी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के का मौजूदा नेता है। विभाग ने बताया कि वह पूरे अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के के सभी अभियानों को मंजूरी देने और उन पर अमल के लिए फंडिंग की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार है।

आरएफजे ने कहा कि अमेरिकी द्वारा प्रतिबंधित एक विदेशी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के ने काबुल हवाईअड्डे पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस हमले में कम से कम 185 लोग मारे गए थे, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक शामिल थे, जो नागरिकों की निकासी के अभियान में सहयोग दे रहे थे। आईएसआईएस-के के केंद्रीय नेतृत्व ने जून 2020 में गफ्फारी को संगठन का नेता नियुक्त किया था।

अधिसूचना में कहा गया है, 'आईएसआईएस ने गफ्फारी की नियुक्ति से जुड़ी घोषणा में उसे एक अनुभवी सैन्य नेता और काबुल में आईएसआईएस-के के शहरी शेरों में से एक के रूप में बताया था, जो गुरिल्ला अभियानों के अलावा कई जटिल आत्मघाती हमलों की साजिश में शामिल रहा है।'

आरएफजे ने सोमवार को एक ट्वीट करके भी कहा, 'एक करोड़ डॉलर तक का इनाम! सनाउल्ला गफ्फारी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के का वर्तमान नेता है। आरएफजे को सिग्नल, टेलीग्राम, व्हाट्सएप या हमारी टॉर-आधारित टिप्स लाइन के माध्यम से सूचना दें। इस आतंकी को इंसाफ के दायरे में लाने में मदद करें।'

आरएफजे ने कहा कि एक आत्मघाती हमलावर और कुछ बंदूकधारियों ने काबुल हवाईअड्डे पर हमला किया, क्योंकि अमेरिका और अन्य देशों की सरकारों ने अपने नागरिकों और कमजोर अफगानों को मुल्क से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चला रखा था।

ओटावा में कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा न दे अमेरिका: कनाडा

ओटावा। कनाडा ने अमेरिका से ओटावा में कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा नहीं देने की अपील की है।

कनाडा के जन सुरक्षा मंत्री ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को उनके घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

दरअसल, अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के कई शीर्ष नेता कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों का समर्थन कर रहे हैं।

ओटावा में एक दिन पहले ही आपातकाल लागू किया गया था। ओटावा के मेयर ने लगभग 2,000 अतिरिक्त पुलिस अधिकारियों को तैनात किए जाने की मांग की है ताकि तथाकथित ''आजाद ट्रक काफिला'' निकाल कर किए जा रहे प्रदर्शनों को रोकने में मदद मिल सके।

प्रदर्शनों के कारण शहर पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है और इससे आर्थिक गतिविधियां भी बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं।

ओटावा के पुलिस प्रमुख पीटर स्लोली ने इसे ''कनाडा में कभी नहीं देखा गया अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन'' करार देते हुए स्वीकार किया है कि अधिकारी इसे रोकने की योजना बनाने में विफल रहे हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने इन विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है। ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को ÷घोर वामपंथी÷ करार देते हुए कहा कि ट्रूडो कोविड-19 संबंधी मूर्खतापूर्ण प्रतिबंध लगाकर कनाडा को बर्बाद कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वह तब तक वहां से नहीं हटेंगे जब तक कि टीकाकरण से संबंधित सभी नियमों और कोविड-19 संबंधी पाबंदियों को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जाता।

अमेरिका की चेतावनी

रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो बंद कर देंगे गैस पाइपलाइन

वाशिंगटन यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका के बीच अमेरिका ने चेतावनी दी है कि रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो जर्मनी से रूस तक जा रही नार्ड-2 गैस पाइपलाइन को बंद कर दिया जाएगा। व्हाइट हाउस में जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ विचार विमर्श के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने साझा प्रेस कांफ्रेंस में यह एलान किया।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध टालने के लिए पश्चिमी देश लगातार प्रयास कर रहे हैं। उधर, रूस यूक्रेन सीमा पर अपने सैन्य संसाधनों में लगातार वृद्धि कर रहा है। इसी मसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति से विचार विमर्श के लिए जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज अमेरिका के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान रूस पर दबाव बनाने के लिए जर्मनी से रूस के बीच की नार्ड-2 गैस पाइप लाइन बंद करने पर भी विचार हुआ। जर्मनी के नियंत्रण वाली इस पाइप लाइन को लेकर बाइडन लंबे समय से विरोध जाहिर करते रहे हैं।

अब स्कोल्ज के साथ

व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति का जर्मन चांसलर के साथ विचार विमर्श

आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बाइडन ने साफ कहा है कि यदि रूसी सेना यूक्रेन की सीमा में घुसी तो एक दशक पुरानी इस पाइप लाइन को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने रूस के खिलाफ जर्मनी के सहयोग पर भी जोर दिया।

इस दौरान जर्मन चांसलर स्कोल्ज ने कहा कि यूक्रेन, रूस और पाबंदियों को लेकर अमेरिका व जर्मनी एक ही तरह से सोचते हैं। हालांकि उन्होंने नार्ड-2 गैस पाइप लाइन के मसले पर सीधा जवाब नहीं दिया।

व्हाइट हाउस: कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के आरोपों से घिरे विज्ञान सलाहकार का इस्तीफा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के शीर्ष विज्ञान सलाहकार एरिक लैंडर ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस द्वारा इस बात की पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद यह कदम उठाया है कि आंतरिक जांच में लैंडर के अपने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने के भरोसेमंद सबूत मिले हैं। लैंडर का इस्तीफा बाइडेन प्रशासन में कैबिनेट स्तर पर पहला इस्तीफा है।

> लैंडर ने अपने त्यागपत्र में कहा, 'मैं बहुद दुखी हूं कि अतीत और वर्तमान के मेरे सहयोगी मेरे बात करने के तरीके से आहत हुए हैं। मेरा मानना है कि मैं अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से जारी रखने में संक्षम नहीं हूं और इस कार्यालय के काम बेहद अहम हैं, लिहाजा उसमें कोई बाधा नहीं उत्पन्न होनी चाहिए।'

कार्यस्थल संबंधित एक शिकायत के बाद आंतरिक जांच में इस बात के सबूत मिले थे कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक एवं बाइडेन के विज्ञान सलाहकार लैंडर ने न सिर्फ अपने कर्मचारियों को धमकाया, बल्कि उनके साथ अपमानजनक व्यवहार भी किया।

व्हाइट हाउस ने अपने कर्मचारियों से दुर्व्यवहार के लिए लैंडर को कड़ी फटकार लगाई थी। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार सुबह संकेत दिया था कि लैंडर को उनके पद पर बने रहने दिया जाएगा।

यह संकेत शपथ ग्रहण समारोह में बाइडेन के वादे के बावजूद दिया गया था कि वह अपने प्रशासन से जुड़े हर व्यक्ति से 'ईमानदारी और शालीनता' की उम्मीद करते हैं तथा उन लोगों को तत्काल बर्खास्त कर देंगे, जो दूसरों के प्रति अनादर दिखाते हैं।

बाद में, सोमवार शाम को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन पसाकी ने कहा कि बाइडन ने 'महामारी, कैंसर मूनशॉट, जलवायु परिवर्तन और अन्य प्रमुख मुद्दों पर ओटीएसपी में किए गए काम के लिए लैंडर का आभार जताते हुए' उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

व्हाइट हाउट ने स्पष्ट किया कि बाइडन ने लैंडर से इस्तीफा देने की मांग नहीं की थी।

कुछ आतंकवादी संगठन प्रतिबंध व्यवस्था का मजाक बना रहे हैं: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि कुछ आतंकवादी संगठनों ने मानवीय कार्यों के लिए दी जाने वाली छूट का पूरा लाभ उठाकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध व्यवस्था का ''मजाक'' बनाया है तथा पड़ोस में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों ने प्रतिबंधों से स्वयं को बचाने के लिए मानवीय संगठनों के रूप में खुद को पेश किया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने सोमवार को कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि प्रतिबंध वैध मानवीय आवश्यकताओं को बाधित नहीं करें। बहरहाल, यह आवश्यक है कि मानवीय आधार पर छूट मुहैया कराते समय खासकर आतंकवादियों को पनाहगाह मुहैया कराने वाले स्थानों के संदर्भ में पूरी सावधानी बरती जाए।''

> तिरुमूर्ति ने कहा, ''ये आतंकवादी संगठन मानवीय कार्यों के लिए दी गई इस छूट का लाभ उठाकर क्षेत्र में और उससे भी परे अपनी आतंकवादी गतिविधियों को विस्तार दे रहे हैं, इसलिए पूरी सावधानी बरतने की आवश्यकता है।''

परिषद के अध्यक्ष रूस की मेजबानी में 'प्रतिबंध संबंधी सामान्य मामले: उनके मानवीय और अनपेक्षित परिणामों को रोकना विषय पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में तिरुमूर्ति ने कहा कि इस बात के उदाहरण हैं कि आतंकवादी संगठन मानवीय आधार पर छूट का पूरा लाभ ले रहे हैं और '1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति' समेत ''प्रतिबंध व्यवस्थाओं का मजाक बना रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''इस प्रकार के कई मामले सामने आए हैं कि हमारे पड़ोस में आतंकवादी समूह इन प्रतिबंधों से बचने के लिए मानवीय संगठनों के रूप में अपनी छवि फिर से बना रहे हैं और इनमें परिषद की प्रतिबंध सूची में शामिल संगठन भी शामिल हैं।''

मुंबई आतंकवादी हमलों के सरगना हाफिज सईद के नेतृत्व वाले जमात-उद-दावा आतंकवादी संगठन की एक परमार्थ शाखा फलाह-ए-इंसानियत है। पुलवामा आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवानों के शहीद होने के बाद आतंकवादी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए बढ़ते वैश्विक दबाव के बीच पाकिस्तान ने 2019 में इन पर प्रतिबंध लगा दिया था। सईद का नाम दिसंबर 2008 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1267 के तहत सूची में शामिल किया था।

वाहन दुर्घटना में मृतक के कानूनी वारिस को मुआवजे का हक

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने कहा है कि वाहन दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के कानूनी वारिस (प्रतिनिधि) भी मुआवजा पाने के हकदार हैं। न्यायालय ने हादसे में मारे गए व्यक्ति की पहली शादी से हुए दो बच्चों को मुआवजा दिए जाने के फैसले को सही ठहराते हुए यह टिप्पणी की है।

जस्टिस संजीव सचदेवा ने वाहन दुर्घटना दावा पंचाट के 22 मार्च 2021 को मृतक की पहले शादी से हुए दो बच्चों को मुआवजा देने के आदेश के खिलाफ बीमा कंपनी की अपील को ठुकराते हुए यह फैसला दिया है। कंपनी ने अपील में कहा था कि पहली शादी से हुए दो बच्चों को मृतक के परिवार का आश्रित नहीं माना जा सकता है। दूसरी तरफ से न्यायालय को बताया गया कि बच्चे पिता के साथ रह रहे थे, ऐसे में वे भी मुआवजा पाने के हकदार हैं।

ग्रिल पर गिरे युवक के सिर में घुसा सरिया, मौत

नई दिल्ली। मौर्या एन्क्लेव में एक मकान की पुताई के दौरान सीढ़ी टूटने से युवक गेट के ग्रिल पर गिरा, जिससे उसके सिर में सरिया घुस गया। इस दर्दनाक हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले में लापरवाही से मौत की धारा में केस दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, 40 वर्षीय विजय झारखंड के जामताड़ा का रहने वाला था। वह हैदरपुर की झुग्गियों में रहकर कर घरों में पुताई का काम करता था। विजय दोस्त सुधीश राम के साथ मौर्या एन्क्लेव के एलयू ब्लॉक में नरेंद्र कुमार के घर की सफेदी कर रहा था। सुधीश ने बताया कि सीढ़ी छोटी पड़ने के कारण विजय दो सीढ़ियों को एक साथ बांधकर घर के बाहर सफेदी कर रहा था। इसी दौरान सीढ़ी टूट गई और विजय सीधे गेट की ग्रिल पर गिर गया। ग्रिल की सरिया विजय के सिर से आर-पार हो गई। मौके पर सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रिल काटकर उसे अलग किया और बीएसए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, लापरवाही से मौत की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। परिजन बुधवार को दिल्ली आ जाएंगे, जिसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

केजरीवाल सरकार द्वारा निगम फंड कटौती के कारण वेतन संकट भुगत रहे निगम कर्मी :भाजपा प्रवक्ता

नई दिल्ली। दुर्गेश पाठक जान लें की केजरीवाल सरकार द्वारा निगम फंड कटौती के कारण वेतन संकट भुगत रहे निगम कर्मी आगामी निगम चुनाव मे आम आदमी पार्टी की पोल जनता के बीच खोलेंगे - भाजपा प्रवक्ता।

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की निस्संदेह नगर निगमों के 50 हजार से अधिक कर्मचारी गत 4-5 वर्ष से वेतन समय पर ना मिलने के कारण आर्थिक संकट झेल रहे हैं पर यह निगम कर्मी भलीभांति जानते हैं की दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के द्वारा नगर निगमों का फंड पूरा ना देने के कारण वह और उनके परिवार आर्थिक संकट मे हैं।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है की आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक नगर निगम कर्मचारियों के आर्थिक संकट को कम करने में सहयोग देने के बजाये कर्मचारियों की समस्याओं पर लचछेदार ब्यानबाजी कर राजनीतिक खेल खेलते रहते हैं।

दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है यदि दुर्गेश पाठक एवं अन्य आम आदमी पार्टी नेताओं को निगम कर्मचारियों के प्रति सच्ची संवेदना हो तो वह ओछी ब्यानबाजी छोड़ कर अपनी दिल्ली सरकार से चौथे एवं पांचवे दिल्ली वित्त आयोग की सिफारिशों अनुसार नगर निगमों का लंबित लगभग 13000 करोड़ रूपए का फंड जारी करवायें।

दुर्गेश पाठक जान लें की केजरीवाल सरकार द्वारा निगम फंड कटौती के कारण वेतन संकट भुगत रहे निगम कर्मी आगामी निगम चुनाव मे आम आदमी पार्टी की पोल जनता के बीच खोलेंगे।

गमछा के विवाद में युवक को मार डाला

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में स्थित यमुना घाट पर नहाने के लिए गमछा नहीं देने पर हुए विवाद में चाकू घोपकर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 18 वर्षीय रमजानी के रूप में हुई है। मामले में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, रमजानी परिवार के साथ शकूरपुर गांव में रहता था। परिवार में माता-पिता समेत अन्य सदस्य हैं। रमजानी का दोस्त 19 वर्षीय अभिषेक कंझावला में रहता है और मालवाहक टेंपो चलाता है। अभिषेक ने बताया कि रविवार दोपहर वह शकूरपुर गांव में टेंपो से सामान लेकर गया था। वहां सरस्वती पूजन कार्यक्रम चल रहा था। वह वहीं पर रुक गया। शाम को वह रमजानी समेत अन्य के साथ विसर्जन के लिए यमुना घाट के लिए निकला। शाम छह बजे शास्त्री पार्क इलाके में स्थित यमुना घाट पर मूर्ति का विसर्जन किया गया।

अभिषेक ने बताया कि विसर्जन के बाद सभी दोस्त नदी में नहाने लगे, जबकि वह नदी के किनारे एक दोस्त की कमीज कंधे पर डालकर खड़ा था। इस बीच वहां मूर्ति विसर्जन के लिए आए एक अपरिचित युवक ने उससे गमछा मांगने लगा। अभिषेक ने कहा कि यह गमछा नहीं, कमीज है लेकिन युवक जबरदस्ती करने लगा। यह देख रमजानी नदी से निकला और युवक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद युवक कुछ दूरी पर गया, जहां उसके कई साथी खड़े थे। वह अपने तीन और साथियों को बुलाकर लाया और सभी मिलकर रमजानी को मारने लगे।

भूमाफिया, पूर्व पार्षद और डीडीए के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से दिल्ली के तीसरे रिंग रोड के निर्माण में घोटाला

नई दिल्ली। दिल्ली के तीसरे 100 मीटर चौड़े रिंग रोड UER-II, जो कि NH-v से बवाना, रोहिणी, मुंडका, नजफगढ़ से होते हुए द्वारका को जोड़ेगा, के निर्माण में भूमाफिया, पूर्व पार्षद और डीडीए के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से घोटाले का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले में पूर्व कांग्रेस पार्षद मेमवती बरवाला व उनके पति कांग्रेस नेता बल्देव सिंह एवं डीडीए RMD-z E&. En. चंद्रभान सिंह को आरोपी बताया गया है।

उत्तरी बाहरी दिल्ली की आनंद विहार कालोनी (पूठ खुर्द) RWA अध्यक्ष मांगे राम, स्थानीय निगम पार्षद अंजू अमन कुमार और दिल्ली सरकार से सेवानिवृत्त चौधरी रणधीर सिंह ने आरोप लगाया है कि 100 मीटर चौड़ा रिंग रोड UER-II को गांव बरवाला के पास सीधा निकालने के बजाए 1 कि.मी. के अन्दर 2 बार मोड़ देने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता एवं डीडीए उपाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता से भी हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई गई है।

मामला कुछ इस तरह है कि डीडीए द्वारा मास्टर प्लान- 2001-21 के अंतर्गत यह प्रोजेक्ट सन् 2004 में शुरू किया गया था, जिसके निर्माण के लिए गाँव पूठ खुर्द का खसरा न. 65/4,8,9 व 12 अधिग्रहण कर जमींदारों को मुआवजा देने के बाद भी डीडीए द्वारा कुछ ज़मीन पर कब्ज़ा नहीं लिया गया। सन् 2007 में भूमाफिया पूर्व कांग्रेस पार्षद मेमवती बरवाला व उनके पति कांग्रेस नेता बल्देव सिंह ने डीडीए के भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर अपने राजनीतिक प्रभाव से इस अधिग्रहित ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया और डीडीए को जाली कागज़ात देकर इस रोड में 1 कि.मी. के अन्दर 2 बार मोड़ दिलवा दिया। इस अनुचित मोड़ के कारण सन् 2009 में अतिरिक्त 80 बीघे ज़मीन अधिग्रहण की गयी जिसका मुआवज़ा स्थानीय किसानों ने अभी तक नहीं उठाया है लेकिन डीडीए ने जबरन फसल उजाड़ कर उसका कब्ज़ा भी ले लिया और वे किसान अपने हक़ की लडाई लड़ रहे हैं। यही नहीं, 1984-85 में बसी आनंद विहार कालोनी, जो प्रधानमंत्री उदय योजना के अंतर्गत पंजीकृत हो चुकी है, में 28 गरीब लोगों के मकान भी तुड़वा दिए। दुखद यह कि इस प्रकरण में एक व्यक्ति की मौत भी हो गई लेकिन यह मामला भी दबा दिया गया।

स्थानीय किसानों की लगातार गुहार के बाद डीडीए उपाध्यक्ष के साथ मीटिंग की गयी और तत्कालीन उपाध्यक्ष तरुण कपूर ने साईट पर आकर निरीक्षण किया, मामले कि जांच एवं ञ्रस्रूमशीन से अधिग्रहित जमीन की पैमाइश करने पर सारा कच्चा चिट्ठा सामने आ गया और पाया गया कि भूमाफिया ने जो कागज़ात डीडीए में जमा कराए थे मसलन- लालडोरा सर्टिफिकेट, सेल डीड, कॉर्पोरेशन बैंक के साथ हुआ एग्रीमेंट एवं बिजली के बिल, आदि सभी खसरा नं. 87/1 के बने हुए हैं जबकि कब्जा डीडीए अधिग्रहित जमीन खसरा नं. 65/4,8,9 व 12 (गांव पूठ खुर्द) एवं बरवाला ग्रामसभा की जमीन 87/77 में किया हुआ है जो कुल मिलाकर लगभग छह हजार पांच सौ (6500) वर्ग गज सरकारी जमीन है जिसका मूल्य कई सौ करोड़ रुपये है। बल्देव सिंह बरवाला इस जमीन पर बने बैंक, गोदाम, फैक्ट्री इत्यादि से हर महीने 4-5 लाख रुपये किराया अवैध रुप से ले रहा है।

डीडीए इस मामले में अपनी ही ज़मीन से अवैध कब्ज़ा हटा कर इस रोड़ का निर्माण करने में विफल रही जिसके कारण यह प्रोजेक्ट निर्माण के लिए ह्मद्ध को सौंप दिया गया। ह्मद्ध के अधिकारियों द्वारा डीडीए उपाध्यक्ष से मीटिंग में अनुरोध भी किया गया है कि जबरन 2 बार मोड़ देने से 2-2 मीटर चौड़ी भूमिगत वाटर पाइपलाइन एवं 44000 किलो-वाट इलेक्ट्रीक हाईटेंशन लाईन हटाने से सरकारी खजाने पर 300-400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा एवं दिल्ली के सबसे चौड़े रोड़ पर 1 कि.मी. में 2 बार मोड़ देने पर सड़क दुर्घटना की सम्भावना भी बढ़ जाएगी।

इस विषय पर जुलाई, 2021 में स्थानीय किसानों एवं आनंद विहार कालोनी के निवासियों, माननीय सांसद श्री हंसराज हंस, स्थानीय पार्षद श्रीमती अंजू अमन कुमार की डीडीए के तत्कालीन उपाध्यक्ष श्री अनुराग जैन के साथ मीटिंग हुई जिसमें डीडीए उपाध्यक्ष द्वारा एक महीने के अंदर अवैध कब्जा हटाने का आश्वासन दिया गया था, परंतु 7 महीने बीत जाने के बाद भी डीडीए द्वारा अवैध कब्जा हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। डीडीए के भ्रष्ट निम्न कर्मचारियों द्वारा उच्च अधिकारियों को सच्चाई से गुमराह किया जा रहा है और अवैध कब्जा हटाने के बजाय गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं और किसानों को उजाड़ा जा रहा है। डीडीए RMD-z E&. En. चंद्रभान सिंह द्वारा इस मामले को जान बूझकर लटकाया जा रहा है और व्यर्थ ही फाईल इधर-उधर घुमाई जा रही है। डीडीए के अंदर भ्रष्टाचार इस कदर फैला हुआ है कि E&. En. चंद्रभान सिंह के खिलाफ बार-बार दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय, डीडीए उपाध्यक्ष एवं विजिलेंस सेल में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी उच्च अधिकारीयों द्वारा कोई उचित कार्यवाही नहीं की जा रही।

गौरतलब है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में एक 38 साल पुराने साउथ दिल्ली की प्राइम लोकेशन पर स्थित 2800 वर्ग सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्ज़े के विवाद पर फैसला सुनाते हुए कहा कि यह केस ऐसी बिमारियों का एक और उदाहरण है जो सरकार द्वारा अधिग्रहित जमीन को लेकर दीवानी मुकदमेबाजी को प्रभावित करती है एवं कोर्ट द्वारा ऐसे मामलों में कानून के तहत उचित कार्रवाई कर सरकारी ज़मीन से अवैध कब्ज़ा हटाने का आदेश भी दिया गया है।

अरविंद केजरीवाल का दावा, भाजपा-कांग्रेस की वजह से उत्तराखंड पर 72 हजार करोड़ का कर्जा

नई दिल्ली।

दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और कांग्रेस के समर्थक से भी एक बार आम आदमी पार्टी को वोट देने की अपील की है। मंगलवार को सिडकुल स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा-कांग्रेस की क्रमवार सरकार बनती रही, लेकिन उत्तराखंड को क्या मिला? एक बार वोटर और सपोर्टर्स इस बारे में जरूर सोचें।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा-कांग्रेस के कारनामों के कारण 72 हजार करोड़ का कर्जा उत्तराखंड के ऊपर है। अगर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई तो पांच सालों में ये कर्ज उतारकर उत्तराखंड को लाभ में लाकर खड़ा कर देंगे। क्योंकि आम आदमी पार्टी की नीयत साफ है। वह राज्य में ईमानदारी से काम करेगी।

केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पहली ऐसी पार्टी है जो राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से भी वोट मांग रही है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि भाजपा और कांग्रेस का कार्यकर्ता और सपोर्टर्स इस बात को समझने के साथ आंकलन जरूर करे कि उनके क्षेत्रों में दोनों दलों ने क्या क्या काम किए।

भाजपा-कांग्रेस के पास कोई एजेंडा नहीं है। आम आदमी पार्टी एजेंडे के साथ चुनाव मैदान में उतरी है। हम सबके हित में काम करने की बात कर रहे हैं। हम स्वास्थ्य, शिक्षा को लेकर गंभीर हैं। उत्तराखंड में स्वास्थ्य, शिक्षा बहदाल हालत में है। अगर आम आदमी पार्टी इसे ठीक करने का दावा कर रही है तो भाजपा, कांग्रेस ऐसे दावे क्यों नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता भी आम आदमी पार्टी पर भरोसा कर रही है। उत्तराखंड की जनता को भी एक बार भरोसा करके देखना चाहिए। राज्य की जनता ने 21 साल भाजपा, कांग्रेस को देकर देख लिया है। दोनों दल पांच, पांच साल शासन करके राज्य को केवल बर्बाद करने पर तुले है।

ऐसे में राज्य की जनता के पास आम आदमी पार्टी ही एक विकल्प है। आम आदमी पार्टी ने दस मुद्दों पर उत्तराखंड को संवारने का एजेंडा दिया है। पार्टी स्कूल और अस्पताल बनाने का दावा कर रही है। भाजपा, कांग्रेस ऐसा नहीं कह रही है। क्योंकि दोनों दलों ने केवल उत्तराखंड को कर्जे में धकेलने का काम किया है।

ह्यूमैनिटीज स्कूल में विकसित होगी छात्रों की शोध क्षमता

नई दिल्ली। ह्यूमैनिटीज स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के छात्रों के लिए विशेष पाठ्यक्रम लाने की तैयारी है। इसमें छात्रों की शोध और सोच क्षमता को विकसित किया जाएगा। छात्र विभिन्न मानविकी और सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं को एक एकीकृत विषय पर लागू करने के गुर सीखेंगे।

पाठ्यक्रम को इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र जैसे विषयों तक ही सीमित नहीं रखा जाएगा। प्रत्येक विषय/परियोजना को चार महीने या एक सेमेस्टर की अनुमानित अवधि के लिए कक्षाओं में प्रस्तुत करेंगे। छात्रों को विषय पर प्रशिक्षण मिलेगा। छात्रों के संचार, सोच और अनुसंधान कौशल को मजबूत किया जाएगा। पाठ्यक्रम को लेकर छात्रों का मूल्यांकन भी होगा।

विशेष पाठ्यक्रम एकीकृत सामाजिक विज्ञान को लागू करने और संचालन को लेकर एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसे लेकर निविदा जारी कर दी गई है। दिल्ली में अलग-अलग स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस हैं। इनमें वर्तमान में दिल्ली में पांच ह्यूमैनिटीज स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस हैं। अगले तीन वर्ष में सात स्कूलों का विस्तार होगा। हर स्कूल के लिए लगभग 13 विशेष शिक्षक होंगे। कक्षा नौ और कक्षा 11 के लिए हर वर्ष छात्रों का चयन किया जाएगा।

जलनिकाय पुनरुद्धार योजनाओं की समीक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मंगलवार को राजधानी के जलनिकायों की पुनरुद्धार योजनाओं की समीक्षा बैठक की। दिल्ली में जल निकायों के कायाकल्प की प्रगति और जल शक्ति अभियान के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई।

उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक, बैठक में जल निकायों की दीर्घकालिक स्थिरता पर चर्चा हुई। उपराज्यपाल ने पर्यावरण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को दिल्ली में पानी की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को पूरा करने की सलाह दी। साथ ही अधिक प्रभावी परिणामों के लिए पानी से संबंधित मुद्दों पर दिल्ली जैव विविधता सोसायटी के साथ तालमेल सुनिश्चित करने को कहा। बता दें कि डीडीए, दिल्ली जल बोर्ड समेत अन्य सिविक एजेंसी राजधानी में 500 से अधिक जलनिकायों के कायाकल्प करने पर काम कर रही है, जिससे भूजल स्तर बढ़ाने और पर्यावरण सरंचना में मदद मिल सके। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव, दिल्ली, उपाध्यक्ष डीडीए, एसीएस (पर्यावरण), प्रमुख सचिव (पर्यावरण), सीईओ डीजेबी, नगर आयुक्त और अन्य जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

वाहन दुर्घटना में मृतक के कानूनी वारिस भी मुआवजा पाने के हकदार, दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की बीमा कंपनी दलील

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि वाहन दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के कानूनी वारिस (प्रतिनिधि) भी मुआवजा पाने के हकदार हैं। हाईकोर्ट ने हादसे में मारे गए व्यक्ति के पहली शादी से हुए दो बच्चों को मुआवजा दिए जाने को सही ठहराते हुए यह टिप्पणी की है।

जस्टिस संजीव सचदेवा ने वाहन दुर्घटना दावा पंचाट द्वारा 22 मार्च, 2021 को मृतक के पहले शादी से हुए दो बच्चों को मुआवजा देने के आदेश के खिलाफ बीमा कंपनी की अपील को ठुकराते हुए यह फैसला दिया है। कंपनी ने अपील में कहा था कि पहली शादी से हुए दो बच्चों को मृतक के परिवार का आश्रित नहीं माना सकता है। दूसरी तरफ हाईकोर्ट को बताया गया कि बच्चे पिता के साथ रह रहे थे, ऐसे में वे मुआवजा पाने के हकदार हैं।

हाईकोर्ट ने कहा है कि जहां तक मुआवाजे का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि भारतीय समाज की स्थिति को देखते हुए वाहन दुर्घटना में मृतक के कानूनी प्रतिनिधि भी मुआवजा पाने के हकदार हैं। हाईकोर्ट ने कहा है कि उक्त फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि एक भारतीय परिवार में भाई-बहन और भाइयों के बच्चे और कभी-कभी पालक बच्चे एक साथ रहते हैं और वे परिवार के कमाने वाले पर निर्भर होते हैं और अगर रोटी कमाने वाले की मोटर वाहन दुर्घटना मौत हो जाती है तो उन्हें मुआवजे से इनकार करने का कोई औचित्य नहीं है।

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए वाहन दुर्घटना दावा पंचाट के मार्च, 2021 के फैसले को बरकरार रखा। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी की अपील को खारिज कर दिया। कंपनी ने मृतक के वेतन पर भी सवाल उठाते कहा था कि उसका वेतन सिर्फ 35 हजार रुपये प्रतिमाह था, लेकिन निचली अदालत ने 41 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मानकर मुआवजे की गणना को है जो अनुचित है।

दाखिल रद्द करने के एम्स का फैसला खारिज

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान छात्रों की ओर से किसी तरह की गलती न होने पर बीच पाठ्यक्रम में दाखिले को रद्द नहीं कर सकते। न्यायालय ने पढ़ाई शुरू होने के दो महीने बाद एमएससी नर्सिंग के छात्रों का दाखिला रद्द किए जाने के एम्स के फैसले को रद्द करते हुए टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को अपनी सहूलियतों के हिसाब से दाखिल रद्द करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। खासकर तब जब छात्रों की ओर से कोई गलती नहीं हो।

जस्टिस प्रतीक जालान ने कहा कि संस्थान पढ़ाई शुरू होने के बाद विश्वविद्यालय की कमियों के लिए छात्रों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता छात्रों ने 18 अक्तूबर 2021 को एम्स की ओर से दाखिला रद्द करने के लिए आदेश जारी होने से लगभग दो महीने पहले पढ़ाई शुरू कर दी थी। संस्थान की ओर से ऐसा कोई आरोप भी नहीं है कि याचिकाकर्ताओं ने एम्स से किसी भी जानकारी को गलत तरीके से पेश किया या छुपाया था। न्यायालय ने कहा कि वास्तव में ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि योग्यता परीक्षा एम्स की ओर से ही आयोजित की गई थी। न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा मामले में भी याचिकाकर्ताओं की तुलना में संस्थान पर अधिक दोष है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि हमारे समक्ष स्पष्ट रूप से यह मुद्दा आया है कि क्या संस्थान की ओर से त्रुटिपूर्ण प्रवेश के कारण निर्दोष छात्रों की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। न्यायालय ने कहा, सभी तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए एक शैक्षणिक संस्थान को वर्ष के दौरान किसी भी समय पाठ्यक्रम शुरू होने के बाद प्रवेश रद्द करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जो उन छात्रों के लिए पूर्वाग्रह का कारण होगा और वे किसी अन्य विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने में असमर्थ होंगे।

उच्च न्यायालय ने 18 अक्तूबर, 2021 को एम्स की ओर से एमएससी नर्सिंग के छात्रों के दाखिला रद्द करने के आदेश को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय ने आभा जार्ज और अन्य छात्रों की ओर से दाखिला रद्द किए जाने के खिलाफ याचिका को स्वीकार करते हुए यह फैसला दिया है।

उज्जवला योजना ने महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर : रामेश्वर तेली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना उज्जवला योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम साबित हो रही हैं। इसके अंतर्गत दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने दक्षिणी दिल्ली के गोविंदपुरी स्थित इलाके नवजीवन कैंप, भूमिहीन कैम्प, जवाहर लाल नेहरू कैंप में 501 महिलाओं को केंद्रीय राज्य मंत्री पेट्रोलियम और नेचुरल गैस रामेश्वर तेली की उपस्थिति में रसोई गैस कनेक्शन सिलेन्डर व ई-श्रम कार्ड बनवाकर वितरित किए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री पेट्रोलियम और नेचुरल गैस रामेश्वर तेली ने कहा कि केंद्र सरकार की उज्जवला योजना के माध्यम से महिलाओं को अनेक प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिली है। हमारी माता - बहनें चूल्हे के धुएं से अपनी आंखों की पीड़ा सहने को मजबूर थी। इस योजना ने महिलाओं का पूरा जीवन ही बदल डाला है।

वहीं इस कार्यक्रम में दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि उज्जवला गैस कनेक्शन योजना से आज करोड़ों महिलाओं के जीवन में रोशनी हुई हैं। मोदी सरकार द्वारा गरीबों कि आवश्यकता की पूर्ति व गरीब के भविष्य में आने वाली परेशानी से मुक्ति के लिए बनाई गई इस योजना से करोड़ो लोगों को लाभ मिल रहा हैं। केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि इस योजना का फायदा देश के तमाम उन लोगों को मिले जो अभी भी किसी कारण से लकड़ी से खाना बनाने को मजबूर है।

यह विश्व की सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है। लगभग चार करोड़ से अधिक परिवार इस योजना का लाभ ले रहे हैं। इतने बड़े स्तर पर किसी योजना को लागू कर पाना बहुत मेहनत व इच्छाशक्ति से संभव है। बिधूड़ी ने आगे कहा कि आज भारत बदल रहा है। चारों और विकास हो रहा है। केंद्र की मोदी सरकार का लक्ष्य सबका साथ सबका विकास है। इसी मंत्र के माध्यम से सरकार लगातार देश के विकास के लिए कदम उठा रही है। आज देश में तेजी से हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। इस मौके पर रमेश बिधूड़ी ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित अनेक योजनाओं के विषय में लोगों को बताया। कार्यक्रम में गोविंदपुरी वार्ड के अध्यक्ष मनोज गर्ग के अलावा बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद रहें।

सम्पादकीय

गुलामी के प्रतीकों से लगाव की दूषित मानसिकता!

डॉ राघवेंद्र शर्मा

भारत में विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों पर ढोए जाने वाले गुलामी के प्रतीक चिन्हों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा तेजी से बदला जा रहा है। इससे गुलाम मानसिकता और भारत के बाहर स्थित अन्य राष्ट्रों में अपनी निष्ठाएं रखने वाले दलों व उनके नेताओं में बेचैनी का माहौल है। हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस मनाया गया तो उसके समापन समारोह पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट में से एक ऐसे गीत को हटा दिया गया, जिसका भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान अथवा संप्रभुता से किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं था। उसे ब्रिटिश मूल के एक कवि द्वारा रचा गया था और वह केवल और केवल ब्रितानी साम्राज्य को ही समर्पित था तथा उससे गुलामी मानसिकता की बू आती थी। उसके स्थान पर एक ऐसा गीत ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी जोड़ा गया जो हमारी सेना के जवानों को समर्पित है। इस परिवर्तन को लेकर देशभर से जो बधाइयां और शुभकामनाएं संदेश आ रहे हैं, उन्हें देख सुनकर यह संतुष्टि प्राप्त होती है कि नागरिकों ने इस परिवर्तन को मुक्त कंठ से सराहा है और उसे हृदय से ग्रहण किया है। लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राष्ट्रीय निष्ठाओं के हित में किया गया यह परिवर्तन चंद राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और उंगलियों पर गिने जा सकने वाले स्वयंभू प्रबुद्धजनों को रास नहीं आ रहा है। यह जानकर केवल बुरा ही नहीं लगा, मन व्यथित भी हुआ और अंतर्मन में यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि देश के एक खास वर्ग, चुनिंदा राजनीतिक दलों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों को वह सब क्यों भाता है, जिसे स्मरण करने मात्र से दासता अथवा गुलाम मानसिकता के जीवंत बने रहने का एहसास पैदा होता है। कौन हैं यह लोग? जो राष्ट्रीय स्वाभिमान, संस्कार और संस्कृति को मानने वालों को हमेशा दकियानूसी, सांप्रदायिक और संकुचित मानसिकता वाली दक्षिणपंथी विचारधारा का पोषक साबित करने में जुटे रहते हैं। जहां तक मेरा अध्ययन है, ये शब्द उन नेताओं, राजनीतिक दलों और कथित प्रबुद्ध जनों ने गढ़े हैं, जो खुद को वामपंथी विचारधारा का समर्थक मानकर गौरव का अनुभव करते हैं। यह खुद को वामपंथी मानें या फिर कुछ और, इसमें किसी को क्या एतराज हो सकता है? लेकिन इन्हें यह अधिकार किसने दिया कि जिनके विचारों से इनकी भारत के बाहर स्थित निष्ठाएं मेल नहीं खातीं, यह उन्हें दक्षिणपंथी, सांप्रदायिक और दकियानूसी शब्दों से पुकारना शुरू कर दें? सही बात तो यह है कि भारतीय संस्कृति में दक्षिणपंथी जैसी विचारधारा कोई थी ही नहीं और ना वर्तमान में ही है। किंतु हां, दो विचारधाराएं यहां लंबे अरसे से देखने को मिल रही हैं। इनमें से एक है सेक्यूलर वाद, जिसमें वामपंथी विचारधारा भी निहित है। इनका भारतीय संस्कृति और उसके गौरवशाली इतिहास से कोई लेना देना नहीं है। भारतीय शब्दावली में इसे धर्मनिरपेक्षता वाद कहा गया है। धर्म निरपेक्ष यानी कि जो धर्म से ही निरपेक्ष है, उस के पक्ष में कतई नहीं। दूसरी वह विचारधारा, जिसे इन्हीं के जैसे इतिहासकारों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों ने राष्ट्रवाद का नाम दे रखा है। यह वह विचारधारा है जिसमें राष्ट्रीयता, अपनी संस्कृति और संस्कारों से प्रेम निहित हैं। इसमें धर्म युक्त आचरण अपेक्षित है और धर्म को सही मायने में दायित्व माना गया है। उदाहरण के लिए- पुत्र का पालन पोषण पिता का धर्म, माता पिता की सेवा पुत्र का धर्म, नागरिकों का हित करना राष्ट्र धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना नागरिक का धर्म माना गया है। इनके लिए कहा जाने वाला दक्षिणपंथी अथवा राष्ट्रवादी शब्द सर्वथा गलत है। भारत का किसी भी वाद से कभी कोई लेना-देना रहा ही नहीं। पश्चिमी इतिहासों का अध्ययन करने के बाद हम यह पाते हैं कि वाद का प्रादुर्भाव पश्चिमी मूल के इम शब्द से हुआ है। यदि पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा रचित साहित्य की बात करें तो उसमें इम अथवा वाद उस प्रक्रिया को कहा गया है, जो अपना अधिपत्य अथवा मत बलात् स्थापित करने या फिर दूसरों पर थोपने हेतु बलपूर्वक अपनाई गई। इस दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी और खासकर पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित वामपंथियों, धर्मनिरपेक्षता वादियों द्वारा दिए गए राष्ट्रवाद जैसे शब्दों को सही नहीं ठहराया जा सकता। क्योंकि वाद अथवा इम हमारे संस्कार में कभी रहा ही नहीं। यदि अपवाद स्वरूप देश के किसी राजा, बादशाह या फिर सामंत ने इसे बलात् थोपने के कुत्सित प्रयास किए भी, तो हमारे ही स्थानीय वीर योद्धाओं और विचारकों ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। इनमें महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और चंदबरदाई जैसे महामानवों के नाम लिए जा सकते हैं। हमारे ऐसे अनेक पूर्वज और हम देश प्रेमी अथवा राष्ट्रीयता के विचार से हमेशा ओतप्रोत रहे। हमारे देश में पहले राजशाही रही हो अथवा वर्तमान में लोकशाही, यहां के किसी भी शासक ने दूसरे राष्ट्रों के प्रति कभी भी ऐसा कोई कृत्य किया ही नहीं, जिससे वाद या फिर इम की तोहमत हम पर लगती हो। कहने का आशय यह कि सेक्यूलर वादियों और वामपंथियों द्वारा थोपे गए जिस राष्ट्रवाद शब्द का उल्लेख हम स्वयं भी अक्सर अपने राष्ट्र प्रेम से युक्त व्यवहार को लेकर अपने लिए करते रहते हैं, वह शब्द हमारी संस्कृति, संस्कारों और व्यवहार के अनुकूल नहीं। क्योंकि हम राष्ट्रवादी हैं ही नहीं, या तो हम राष्ट्रीय हैं अथवा फिर राष्ट्रप्रेमी। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जो लोग हमें दक्षिणपंथी अथवा दकियानूसी कहते हैं, वे वास्तव में वामपंथी और सेक्युलर वादी ही हैं। इनमें से कुछ वे लोग हैं जो सेक्यूलरवाद अथवा धर्मनिरपेक्षता वाद की आड़ में तुष्टीकरण की फूट डालो राज करो वाली नीति अपनाते रहते हैं। दूसरे वाले लोग हैं जिन्हें भारत और भारतीयता से कोई लेना-देना नहीं। इनकी निष्ठाएं भारत के बाहर स्थित हैं। इनके लिए देश भारत माता ना होकर केवल एक जमीन का टुकड़ा है, जहां रहकर यह लोग अपनी राजनैतिक हितों की पूर्ति में लगे रहते हैं। अपना उल्लू सीधा करने में जुटे इन विचारधाराओं के पोषक लोगों का नारा बहुजन सुखाय हो सकता है।

प्रदेश को रेल विस्तार की जरूरत

सुखदेव सिंह

केंद्र सरकार द्वारा पारित बजट में इस बार भी हिमाचल प्रदेश के रेलवे ट्रैक में सुधार किए जाने के लिए कोई बजट न मिलना खेदजनक है। चुनावी समर नजदीक आते ही पठानकोट-जोगिंद्रनगर नैरोगेज रेलवे ट्रैक को लेह-लदाख तक जोड़ने के सर्वे शुरू हो जाते थे। जनता का मत मिलते ही नेताओं को ऐसे किसी भी सर्वे की पांच साल तक याद नहीं रहती थी। सर्वे किए जाने का सिलसिला पिछले कई दशकों से चलाकर पहाड़ की जनता के साथ भद्दा मजाक किए जाने की कोशिशें जारी हैं। केंद्र सरकारों ने कभी हिमाचल प्रदेश के इस नैरोगेज रेलवे ट्रैक को ब्राडगेज किए जाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। लोकसभा सांसद पहाड़ की इस चिरलंबित मांग को संसद में उठाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। अगर सांसदों द्वारा जनता से किए गए वायदे स्मरण रहते तो इस रेलवे ट्रैक पर चलने वाली रेलगाड़ियों की आज हालत इतनी दयनीय नहीं होती। हिमाचल प्रदेश में उद्योग लगने से ही बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सकता है। आज इस रेलवे ट्रैक की हालत में सुधार करके पहाड़ की गरीब जनता को सहूलियतें पहुंचाए जाने की अधिक जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक नहीं है। जनता को दूसरे राज्यों पर इस सुविधा के लिए निर्भर होना पड़ता है। मंडी में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए कई बार भूमि चयन किया गया, मगर मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट तक को केंद्र सरकार से हरी झंडी नहीं मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं होने के बावजूद हमारी सरकारों का खजाना हमेशा खाली रहा है। देवभूमि के मंदिरों के प्रति देश-विदेश के लोगों की विशेष आस्था है। श्रद्धालु वर्ष भर मंदिरों में अपना शीश नवाने सहित पहाड़ की हसीन वादियों का लुत्फ उठाने के लिए आते हैं।

विदेशी पर्यटक भी रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ क्षण निकालकर शांतिप्रिय प्रदेश में कुछ समय बिताना पसंद करते हैं। देवभूमि में मेहमानों को भगवान का दर्जा दिए जाने के बावजूद ऐसी घटनाएं घटित होती हैं जो कि शर्मनाक बात है। पर्यटकों के साथ बदसलूकी अक्सर की जाती है, वहीं कुछेक पर्यटक भी देवभूमि में गुंडागर्दी करने की फिराक में रहते हैं। पहाड़ी प्रदेश में कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या का समाधान आज दिन तक कोई भी सरकार नहीं निकाल पाई है। सड़कों की हालत किसी से छुपी नहीं है। प्रदेश सरकार नए मोटर वाहन अधिनियम को लागू करके चालान राशि में बेतहाशा वृद्धि किए जाने का ऐलान कर चुकी है। चालान की राशि विदेशों की तरह की जा रही है और सड़कों का सुधार किए जाने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की सरकार अपने खाली खजाने को भरने के लिए उद्योगपतियों को निवेश किए जाने का निमंत्रण दे चुकी है। धर्मशाला में आयोजित इन्वेस्टर मीट में देश-विदेशों के नामी उद्योगपति पहाड़ में निवेश किए जाने पर अपनी सहमति जता चुके हैं। पहाड़ों की चट्टानें अक्सर सड़कों पर गिरकर मौत का तांडव मचा रही हैं। सड़कों की दयनीय हालत है और प्रदेश का अपना कोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक भी नहीं है। केवल मात्र रेलगाड़ी ही पर्यटकों सहित स्थानीय लोगों का यातायात का सस्ता साधन हुआ करती थी। कोरोना वायरस काल में इसे भी बंद कर दिए जाने की वजह से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था। प्रदेश सरकार ने निजी बस आपरेटरों के दबाव में आकर बेतहाशा किराया वृद्धि करके जनता के बजट को बिगाड़ने की कोशिश की है। बस किराए में बेतहाशा वृद्धि होने के बावजूद निजी बस आपरेटर हमेशा सरकार के खिलाफ विरोध करते हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो चुके हैं, मगर बस किराए में कमी होती नहीं दिख रही है। आजादी के सात दशक गुजर जाने के बावजूद इस रेलवे ट्रैक में कोई सुधार नहीं हुआ है। नतीजतन आए दिन इस ट्रैक पर रेलगाड़ियों के इंजन हांफने की वजह से यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन जाता है। रेलवे स्टेशनों पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से विकसित होकर सरकारों के राजस्व का मुख्य साधन बने, सरकारों की हमेशा यही कोशिश रही है। सच्चाई तो यह कि इस रेलवे ट्रैक पर आज भी पुराने इंजन दौड़ाए जा रहे हैं जो कहीं भी हांफ जाते हैं। यह कोई पहला मौका नहीं कि रेलगाड़ी का इंजन फेल हो जाने की वजह से सैकड़ों लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ी हों। ठीक इसी तरह रेलगाड़ियों के इंजन हांफने की सुर्खियां अक्सर पढ़ने को मिलती हैं। सरकारें वैसे तो इस रेलवे ट्रेक को लेह-लद्दाख तक जोड़ने की घोषणाएं करके जनता से वोट ऐंठती रही हैं, मगर आज दिन तक सिवाय सर्वे किए जाने के अलावा जनता को कोई राहत नहीं मिली है। इस रेलवे ट्रैक की दशा में सुधार किए जाने को लेकर दो वर्ष पूर्व एक एक्सप्रेस रेलगाड़ी जरूर चलाई गई थी, मगर कोरोना काल के दौरान वह तमाम रेलगाड़ियों की आवाजाही अवरुद्ध रही है। एक्सप्रेस रेलगाड़ी कुछ ही रेलवे स्टेशनों पर रुकती है, जिसका पहाड़ के गरीब लोग लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। पूर्व वर्षों में इस रेलवे ट्रैक पर बहुत रेलगाड़ियां चलाई जाती रहीं, मगर अब कुछेक में कटौती किए जाने का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने पिछले चार वर्षों में पचास फीसदी बस किराया बढ़ाया है। वहीं अब रेलगाड़ियों का सफर भी महंगा कर दिया गया है। ऐसे में गरीब जनता की जेब पर आर्थिक बोझ बढ़ता ही जा रहा है।

इस रेलवे ट्रैक पर चलने वाली रेलगाड़ियों का लाभ पर्यटकों, आम जनमानस सहित व्यवसायी भी उठाते रहे हैं। मगर रेलगाड़ियों के इंजनों की दयनीय हालत की वजह से लोग अब इनमें सफर करने से पहले सौ बार सोचते हैं। मनाली, मंडी, कुल्लु और हमीरपुर तक के व्यवसायी पंजाब राज्य से सामान इसी रेलगाड़ी से लेकर आते रहे हैं। बरसात के दिनों में अक्सर रेलवे ट्रैक पर ल्हासे गिर जाने की वजह से कई दिनों तक रेलगाड़ियों की आवाजाही बंद रहना आम बात है। पठानकोट से जोगिंद्रनगर तक 165 किलोमीटर का सफर इतना सुहाना है कि हर कोई प्रभावित होकर रह जाता है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हिमाचल प्रदेश का नजारा देखने के लिए एकमात्र रेलगाड़ियां ही पर्यटक बेहतर समझते रहे हैं। ट्रैक पर लंबी सुरंगें, लंबे पुल और कई मंदिर भी विराजमान हैं। श्रद्धालु माता चामुंडा, बज्रेश्वरी, चिंतपूर्णी और ज्वालाजी तक इन्हीं रेलगाड़ियों के सहारे पहुंचते थे। सरकारों को इस रेलवे ट्रैक पर दौड़ने वाली रेलगाड़ी के इंजन नए तकनीक से चलाने चाहिए। हिमाचल प्रदेश को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने के लिए कनेक्टिविटी की समस्या हल करनी चाहिए। इस समस्या का समाधान होते ही प्रदेश का पर्यटन विकसित होकर सरकार की आय का प्रमुख स्रोत बनेगा।

आम बजट 2022 में एमएसएमई क्षेत्र पर दिया गया है विशेष ध्यान

भारत में एमएसएमई क्षेत्र कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र माना जाता है। एमएसएमई क्षेत्र में करीब 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। एमएसएमई क्षेत्र का देश के सकल घरेलू उत्पाद में 30 प्रतिशत और देश के निर्यात में 48 प्रतिशत का योगदान रहता है। भारत में 6.3 करोड़ एमएसएमई इकाईयां कार्यरत हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के आम बजट में इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है।

कोरोना महामारी के काल में लागू किए गए देशव्यापी लॉकडाउन के चलते बहुत विपरीत रूप से प्रभावित हुए छोटे छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई इकाईयों को बचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक आपात ऋण गारंटी योजना लागू की थी। इस योजना के अंतर्गत बैंकों को यह निर्देश दिए गए थे कि छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई इकाईयों को उनका व्यापार पुनः खड़ा करने के उद्देश्य से उन्हें पूर्व में स्वीकृत ऋणराशि का 20 प्रतिशत, अतिरिक्त ऋण के रूप में प्रदान किया जाय एवं इस राशि की गारंटी केंद्र सरकार द्वारा उक्त योजना के अंतर्गत प्रदान की जाएगी। बैंकों को इस योजना के अंतर्गत 4.5 लाख करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने का लक्ष्य प्रदान किया गया था। ऋण के रूप में प्रदान की गई अतिरिक्त सहायता की राशि से देश में लाखों उद्यमों को तबाह होने से बचा लिया गया है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि उक्त योजना द्वारा न केवल 13.5 लाख एमएसएमई इकाईयों को कोरोना महामारी के दौर में बंद होने से बचाया गया है बल्कि 1.5 करोड़ लोगों को बेरोजगार होने से भी बचा लिया गया है। इसी प्रकार एमएसएमई के 1.8 लाख करोड़ रुपए की राशि के खातों को विभिन्न बैंकों में गैर निष्पादनकारी आस्तियों में परिवर्तित होने से भी बचा लिया गया है। उक्त राशि एमएसएमई इकाईयों को प्रदान किए गए कुल ऋण का 14 प्रतिशत है। इस योजना के अंतर्गत बैंकों द्वारा प्रदान की गई कुल ऋणराशि में से 93.7 फीसदी राशि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों को प्रदान की गई है। छोटे व्यवसायी (किराना दुकानदारों सहित), फुड प्रोसेसिंग इकाईयों एवं कपड़ा निर्माण इकाईयों को भी इस योजना का सबसे अधिक लाभ मिला है। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं उत्तर प्रदेश में कार्यरत एमएसएमई इकाईयों ने इस योजना का सबसे अधिक लाभ उठाया है।

उक्त योजना की अवधि 31 मार्च 2022 को समाप्त होने जा रही थी परंतु चूंकि एमएसएमई क्षेत्र में कार्यरत हासपीटलिटी उद्योग से सबंधित इकाईयां व्यापार के मामले में अभी भी कोरोना महामारी के पूर्व के स्तर को प्राप्त नहीं कर पाई हैं अतः आपात ऋण गारंटी योजना की अवधि को 31 मार्च 2023 की अवधि तक बढ़ा दिया गया है। साथ ही, वितीय वर्ष 2022-23 के आम बजट में यह घोषणा भी की गई है कि एमएसएमई क्षेत्र की इकाईयों को 50,000 करोड़ रुपए की राशि का अतिरिक्त ऋण भी उक्त योजना के अंतर्गत बैंकों द्वारा स्वीकृत किया जाएगा। इसके अलावा भी एमएसएमई इकाईयों की पूंजी सम्बंधी कमी को दूर करने के लिए इन इकाईयों को 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त ऋण बैंकों द्वारा सीजीटीएमएसई गारंटी योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराया जाएगा। अब छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई इकाईयों को उक्त योजना के अंतर्गत बैंकों से अतिरिक्त सहायता की राशि 31 मार्च 2023 की अवधि तक उपलब्ध होती रहेगी।

केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई आपात ऋण गारंटी योजना चूंकि बहुत सफल रही है अतः इस योजना के अच्छे बिंदुओं को बैंकों में पिछले लगभग दो दशकों से चल रही इसी प्रकार की सीजीटीएमएसई योजना में शामिल किये जाने पर विचार किया जाएगा। वर्तमान में सीजीटीएमएसई योजना का लाभ विभिन्न बैंकों द्वारा अपने बहुत कम हितग्राहियों को दिया जा रहा है।

कुछ समय पूर्व तक भारत सुरक्षा उत्पादों का लगभग 100 प्रतिशत आयात करता था परंतु अब कई सुरक्षा उत्पादों का भारत में ही निर्माण किया जाने लगा है। इस वर्ष के बजट में यह प्रावधान किया गया है कि सुरक्षा उत्पादों की कुल जरूरत का 68 प्रतिशत भाग देश में ही निर्माण कर रही सुरक्षा उत्पादक इकाईयों से खरीदा जाय। इससे देश में नए नए उद्योगों को स्थापित करने में मदद मिलेगी, रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होंगे एवं विदेशी मुद्रा की बचत भी की जा सकेगी। इस प्रकार भारत सुरक्षा उत्पादों के निर्माण के क्षेत्र में शीघ्र ही आत्म निर्भरता हासिल कर लेगा। केंद्र सरकार द्वारा आम बजट में की गई उक्त घोषणा का लाभ सुरक्षा उत्पाद के क्षेत्र में कार्यरत कई एमएसएमई इकाईयों को भी मिलेगा।

एमएसएमई क्षेत्र में कार्यरत सेकंडरी स्टील उत्पादक इकाईयों को स्टील स्क्रैप पर लगाने वाली कस्टम ड्यूटी की छूट भी एक और वर्ष के लिए जारी रहेगी। इसका सीधा सीधा लाभ उक्त क्षेत्र में उत्पादन करने वाली एमएसएमई इकाईयों को मिलना जारी रहेगा।

31 जनवरी 2022 को जारी किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि भारत में 61,400 स्टार्टअप स्थापित हो चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2022 में देश में 14,000 नए स्टार्टअप प्रारम्भ हुए हैं। देश के 555 जिलों में कम से कम एक स्टार्टअप स्थापित कर लिया गया है। विशेष रूप से पिछले 6 वर्षों के दौरान देश में बड़ी संख्या में नए नए स्टार्टअप, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, स्थापित किए गए है। इनमें से कई स्टार्टअप एमएसएमई इकाईयों के रूप में प्रारम्भ किया जा रहे है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के आम बजट के माध्यम से यह घोषणा की गई है कि इन स्टार्टअप को दी जाने वाली टैक्स सम्बंधी सुविधाएं एक और वर्ष के लिए जारी रहेंगी। साथ ही, ड्रोन शक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए स्टार्टअप एमएसएमई क्षेत्र में प्रारम्भ किए जाएंगे। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के कई नए अवसर निर्मित होंगे।

मेरी आवाज ही पहचान है, गर याद रहे

ऋतुपर्ण दवे

स्वर कोकिला, स्वर साम्राज्ञी, हर दिल अजीज, सुरों की मलिका, हर किसी को अपनी आवाज से गुनगुनाने को मजबूर करने वाली अजीम शख्सियत लता दीदी कहें, लता ताई या लताजी नहीं तो लता मंगेशकर कुछ भी कह लें, बड़ी-ही खामोशी से खामोश हो गईं।

जिसने भी सुना सन्न रह गया, हर किसी को अपनी आवाज से सुकून देने वाली जानी-पहचानी और सबसे अलग आवाज की ऐसी विदाई ने हर किसी को गमगीन कर दिया।

सचमुच ऐसा लगता है कि एक युग का अंत हो गया। चीनी घुली वो मखमली आवाज जो उम्र के आखिरी मुकाम तक जस की तस बनी रही बल्कि जवाँ होती रही, सचमुच किसी वरदान से कम नहीं थी। इससे भी बढ़कर ये कहें कि दुनिया की उन चंद आवाजों में शुमार बल्कि वे इकलौती गायिका हैं, जिनके गीत चौबीसों घण्टे, अनवरत दुनिया भर में कहीं न कहीं अपनी मिठास घोलते रहते हैं। सच में लता मंगेशकर ने जो मुकाम हासिल किया वो सबसे ऊंचा था।

अद्वितीय प्रतिभा की धनी लता जी की आवाज में जबरदस्त कशिश थी, मजाक में ही सही अक्सर इस बात पर भी चर्चाएँ सुनाई देतीं थी कि उनके गले पर रिसर्च होनी चाहिए। 1969 में पद्म भूषण, 1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, 1999 में पद्म विभूषण, 2001 में भारत रत्न, 2008 में भारत की स्वतंत्रता की 60 वीं वर्षगांठ पर ÷वन टाइम अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट÷ सम्मान सहित न जाने कितने प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित लता दीदी भारत की वो अनमोल रत्न थीं जो तीन पीढ़ियों से सारे देश पर अपनी आवाज से राज कर रहीं थीं।

उनकी सौम्यता और प्रतिभा पर सबको फख्र है। लता जी वो सितारा हैं जो नाशवान शरीर के रूप में भले ही हमसे छिन गयी हों लेकिन अनंत में चमकते तारे के रूप में प्रकृति के साथ चमकती-दमकती रहेंगी। सच है कि एक सूरज, एक चाँद और एक ही लता मंगेशकर। कहने को तो हमेशा यह नारा सुनाई देता है कि जबतक सूरज-चाँद रहेगा, लता दीदी तेरा नाम रहेगा। लेकिन लता जी के लिए यह हकीकत है। उनकी जगह कोई ले पाए यह मुमकिन नहीं और कोई दूसरी लता मंगेशकर दुनिया में आ पाए यह नामुमकिन है।

8 दशकों के अपने संगीत के सफर में लता ताई ने सुरों की वो माला गूंथी और सुरों की जो बंदिगी की है वो बानगी है। अपने सुरों से ना सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग को नये आयाम देने वाली बल्कि गायकों की तमाम पीढ़ियों को प्रोत्साहित करने वाली लता जी 28 सितंबर, 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मराठी परिवार में जन्मीं। जन्म के साथ उन्हें हेमा नाम दिया गया था लेकिन पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने नाम बदलकर लता रख दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े थे। केवल 5 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय किया और संगीत सीखने लगीं। जाने-माने उस्ताद अमानत अली खां से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया लेकिन वो विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए। तब अमानत खां से संगीत शिक्षा ली। पंडित तुलसीदास शर्मा और उस्ताद बड़े गुलाम अली खां जैसी जानी-मानी शख्सियतों से भी संगीत के गुर सीखे।

लता जी का शुरुआती सफर चुनौतियों से भरा हुआ था। बॉलीवुड में 1940 के दशक में प्रवेश के साथ वहाँ नूरजहां, शमशाद बेगम और जोहरा बाई अंबाले वाली जैसी वजनदार आवाज के सामने उनकी महीन आवाज फीकी लगी। लेकिन तब कौन जानता था कि इसी महीन आवाज की मल्लिका एक दिन दुनिया में अपना वो जादू ऐसा बिखेरेगी कि हर कोई उनकी आवाज का दीवाना बन जाएगा।

तब इसी आवाज के चलते उनके कई मौके बेकार गए क्योंकि उस समय बहुत से फिल्म प्रोड्यूसरों और संगीत निर्देशकों को उनकी बहुत ऊंची और पतली आवाज पर भरोसा नहीं था। 1942 में 13 वर्ष की छोटी उम्र में सिर से पिता का साया उठने के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई और एक बेहद कठिन इम्तिहान से गुजरना पड़ा। पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। जहाँ उन्हें फिल्मों में अभिनय से नापसंदगी के बावजूद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाने की मजबूरी में अभिनय करना पड़ा। 1942 से 1948 के बीच लता ने लगभग आठ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम किया।

आखिरकार 7 साल के संघर्ष के बाद वह दौर भी आया जब 1949 में फिल्म महल के गाने आयेगा आने वाला .. के बाद लता मंगेशकर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में सफल हुईं। इसके बाद वह राजकपूर की फिल्म बरसात के गाने जिया बेकरार है, हवा मे उड़ता जाए जैसे गीत गाने के बाद बॉलीवुड में एक सफल पार्श्व गायिका के रूप मे स्थापित हो गईं।

उन्होंने 36 भाषाओं में 30 हजार से यादा गाने गाए हैं। 1991 में ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने माना था कि वे दुनिया भर में सबसे अधिक रिकॉर्ड की गई गायिका हैं। लता मंगेशकर को मिले पुरस्कारों की सूची बहुत बड़ी है। देश-विदेश में संगीत और गायन के क्षेत्र में मिले अनगिनत पुरस्कारों की भरमार है। उन्हें मिले पुरस्कारों को यदि संग्रहित किया जाए तो यह भारत की अनमोल विरासत वाला नया म्यूजियम होगा।

लता ताई को बस एक अफसोस ताउम्र रहा कि रियाज में कभी भी कमी नहीं करने वाली और बहुत छोटी उम्र में जिस शास्त्रीय संगीत को सीखा, उससे वो दूर हो गईं। 1942 से 2015 तक के लंबे करियर में 1942 में आई मराठी फिल्म पहली मंगलागौर में गाना गाया। हिंदी फिल्मों में उनकी एंट्री साल 1947 में फिल्म आपकी सेवा के जरिए हुई। साल 2015 में लता जी ने आखिरी बार निखिल कामत की फिल्म डुन्नो वाय 2 में गाना गाया था।

यह सच है समूची दुनिया में इस वक्त भी लता जी के गीत गुनगुनाए और सुने जा रहे हैं। बस नहीं हैं तो वो खुद, जो अनंत में विलीन होकर भी अपनी मंत्रमुग्ध आवाज को सुन आनन्दित हो रही होंगी और ईश्वर भी इस कोहिनूर को अपने श्री चरणों में पाकर चकित होगा। खामोश, शांत लेकिन गरिमामय विदाई और मुंबई के प्रख्यात शिवाजी पार्क में पंचतत्वों में विलीन हो समाधिस्थ लता जी की हमेशा गूंजने वाली आवाज अब हर रोज उनकी याद और श्रध्दांजलि होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

अभिनेता अक्षय कुमार ने की उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात

देहरादून। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को उत्तराखंड का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। खिलाड़ी स्टार ने सोमवार सुबह राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके देहरादून स्थित आवास पर मुलाकात की। इस बैठक के बाद पहाड़ी राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की, 'हमने उन्हें (अक्षय कुमार को) एक प्रस्ताव दिया था, उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। वह उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी काम करेंगे।'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से अक्षय कुमार ने की मुलाकात

अभिनेता अक्षय कुमार ने सोमवार को यहां उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। धामी ने ट्विटर पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने यहां मुख्यमंत्री आवास में कुमार का स्वागत किया। उन्होंने लिखा, 'आज प्रख्यात अभिनेता, युवाओं के प्रेरणास्रोत और मेरे मित्र अक्षय कुमार जी का मुख्यमंत्री आवास में स्वागत एवं अभिनन्दन किया।'

उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर बनें अक्षय कुमार

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिनेता ने राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की और उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। करीब एक घंटे की इस मुलाकात के दौरान, धामी ने कुमार को केदारनाथ मंदिर की एक प्रतिकृति और लकड़ी पर उकेरे गए चारों धामों का एक चित्र भेंट किया। इस मौके पर धामी ने अभिनेता को ब्रह्मकमल से सजी उत्तराखंडी टोपी भी पहनाई।

पहाड़ों पर चल रही हैं अक्षय कुमार की फिल्म की शूटिंग

अभिनेता इन दिनों अपनी एक फिल्म की शूटिंग के लिए मसूरी आए हुए हैं। कुमार ने भी टवीट किया, 'प्यार में होना और क्या होता है। हम उत्तराखंड को किसी कारण से देवभूमि कहते हैं। हमने मसूरी में दुनिया की सबसे अलग और खूबसूरत लोकेशन में शूटिंग की।' उन्होंने लिखा, 'लाखों मिले, कोई भी ना तुम सा मिला। काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार अगली बार बच्चन पांडे में दिखाई देंगे, जो 18 मार्च को स्क्रीन पर आएगी। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित फिल्म में कृति सेनन और जैकलीन फर्नांडीज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, अक्षय की पाइपलाइन में राम सेतु (नुशरत भरूचा के साथ), सेल्फी (इमरान हाशमी के साथ) और पृथ्वीराज (मानुषी छिल्लर के साथ) भी हैं।

अरुणाचल प्रदेश में आये हिमस्खलन में फंसे सेना के सात जवान, तलाशी अभियान जारी

अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में रविवार को एक गश्ती दल के हिमस्खलन की चपेट में आने से सेना के सात जवान लापता हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी तेजपुर ने सोमवार को कहा, स्वर्तमान में खोज और बचाव अभियान जारी है। बचाव कार्यों में सहायता के लिए विशेष टीमों को एयरलिफ्ट किया गया है।स क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से भारी बर्फबारी के साथ खराब मौसम देखा जा रहा है। विरल आबादी वाला, वनाच्छादित कामेंग सेक्टर 14,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है और भूटान और चीन की सीमा में है। घटना कल कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले इलाके में हुई। सेना ने खोज और बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा है और लापता कर्मियों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है। सेना ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी के साथ खराब मौसम की सूचना मिल रही है। अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में हिमस्खलन की चपेट में आए सेना के गश्ती दल को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है। बचाव कार्यों में सहायता के लिए विशेष टीमों को एयरलिफ्ट किया गया है। समाचार एजेंसियों के अनुसार, भारतीय सेना के सूत्रों ने कहा, पिछले कुछ दिनों से भारी बर्फबारी के साथ क्षेत्र में खराब मौसम देखा जा रहा है।

गंगा में कितनी लाशें फेंकी गईं राज्य सभा में बोली मोदी सरकार हमारे पास कोई जानकारी नहीं

नई दिल्ली । सरकार ने राज्यसभा में कहा कि दूसरी कोविड लहर के चरम के दौरान गंगा में तैरते हुए शवों की संख्या के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। जूनियर जल शक्ति मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सोमवार को राज्य सभा में कहा, स्गंगा नदी में फेंके गए अनुमानित कोविड-19 से संबंधित शवों की संख्या के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। मोदी सरकार के ये कबूलमाना तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन के एक सवाल के जवाब में आया। उन्होंने कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार शवों को निपटाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी मांगी थी। सवालों के जवाब में मंत्री ने कहा कि स्लावारिस/अज्ञात, जले हुए/आंशिक रूप से जले हुए शवस्र नदी या उसके किनारे पाए गए थे, और ये घटनाएं उत्तर प्रदेश और बिहार के जिलों से सामने आई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय ने (स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन के माध्यम से) संबंधित राज्य सरकारों से शवों और निपटान सहित की गई कार्रवाई पर एक रिपोर्ट मांगी थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उत्तराखंड, झारखंड और बंगाल के मुख्य सचिवों को भी एडवाइजरी जारी की गई। कांग्रेस ने सरकार की इस प्रतिक्रिया पर कड़ा हमला बोलते हुए, वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वर्तमान उत्तर ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों के बारे में पूछे गए प्रश्नों के समान था। ज्ञात हो कि पिछले साल मई-जून में पवित्र गंगा में तैरते हुए शवों की भयावह तस्वीरें सामने आई थीं। माना जाता है कि ये शव कोरोना के मरे लोगों के थे। इन भयावह तस्वीरों ने भारत और यहां तक कि दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्गंभीर समस्याश कहा था और संबंधित सरकारों को फटकार भी लगाई थी। दूसरी लहर के चरम पर, जब आधिकारिक तौर पर रोजाना 3,000 से 4,000 कोविड से संबंधित मौतें होती थीं तो बिहार और यूपी में गंगा के किनारे सैकड़ों शव तैरते दिखे थे।

तुष्टीकरण की राजनीति करती है सपा-बसपा, राजनाथ बोले- लोगों के भरोसे को कम नहीं होने देगी बीजेपी

लखनऊ। (एजेंसी)

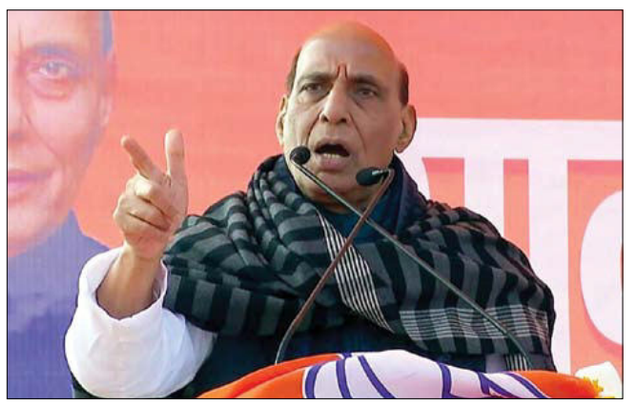

उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह भी आज उत्तर प्रदेश में विभिन्न जनसभाओं को संबोधित करने पहुंचे थे। राजनाथ सिंह ने समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है। ये हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई के आधार पर एक दूसरे में नफरत पैदा करने की कोशिश करते हैं। राजनीति जाति, धर्म के आधार पर नहीं बल्कि इंसाफ और इंसानियत के आधार पर की जानी चाहिए।

राजनाथ ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण चीन और पाकिस्तान एक साथ आए हैं। मुझे लगता है कि वह इस तथ्य से अनजान हैं कि पाकिस्तान ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शासनकाल के दौरान शक्सगाम घाटी को चीन को सौंप दिया गया था। उन्होंने कहा कि गलवान घाटी संघर्ष में भारत की ओर से बड़ी संख्या में हताहतों पर चीन के ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट पढ़कर यहां कुछ लोग खुश हुए। एक रक्षा मंत्री के रूप में, मैं तथ्यों को जानता था। एक ऑस्ट्रेलियाई अखबार के खोजी पत्रकार ने कहा है कि चीन ने संघर्ष में अपने 50 सैनिकों को खो दिया। इसी कड़ी में राजनाथ ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल जी आपको क्या हो गया है, आप हमारे जवानों की वीरता और पराक्रम पर सवाल उठा रहे हैं? कांग्रेस को इसका मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए।

भारत अब कमजोर भारत नहीं राह गया है। उड़ी और पुलवामा की घटना का बाद हमारी सेना के जवानों ने पाकिस्तान की धरती पर जाकर आतंकवादी ठिकानों का सफाया कर दिया। भारत की सेना आतंकवादियों को इस पार मार सकते हैं और उस पार भी मार सकते हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि पिछली कांग्रेस और सपा सरकारों के दौरान कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। लेकिन बीजेपी के किसी नेता पर ऐसा कोई आरोप नहीं है. हमारी पार्टी जनता को कभी निराश नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में कुछ गलत व्यक्ति हो सकते हैं लेकिन पार्टी कभी गलत नहीं हो सकती। मैं यह दावा नहीं करता कि हमारी पार्टी में हर कोई साफ है, एक व्यक्ति गलत हो सकता है, लेकिन पार्टी गलत नहीं है। बीजेपी आपके भरोसे को कभी कम नहीं होने देगी।

एमपी में शराबबंदी के आंदोलन पर नरम हुई उमा भारती, कहा- सबका समर्थन जरूरी है

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अबशराबबंदी के आंदोलन को लेकर नरम पड़ती दिख रही है। उमा भारती ने शराबबंदी को लेकर सोमवार को सभी का समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि मैं कोई तीस मार खान नहीं हूं। बहुत सारे लोग हैं जिनको आंदोलन करना चाहिए। वो लोग क्यों आगे नहीं आ रहे ?

दरअसल उमा भारती ने कहा कि मैं अपनी रणनीति 14 फरवरी के बाद में बताऊंगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा दोनों ही संत व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता उसके बाद भी क्यों शराबबंदी में अड़चन आ रही है। शराबबंदी के खिलाफ मैं अकेली नहीं, 80 फीसदी जनता इसके खिलाफ है। उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि है कि नर्मदा घाटों के किनारे लोग जमकर शराब पी रहे हैं। शराब को लेकर कई और घटनाएं मेरे संज्ञान में आई है। नई शराब नीति पर उमा भारती ने कहा कि हम सरकार से बात करेंगे। शराब के बारे में मुख्यमंत्री शिवराज से ही वक्तव्य देने के लिए कहूंगी। आपको बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मध्य प्रदेश में शराबबंदी का समर्थन करते हुए ऐलान किया था कि वह शराबबंदी करवा कर रहेंगी। उमा भारती ने कहा था कि वो प्रदेश में शराबबंदी के लिए मुहिम चलाएंगी। 15 जनवरी के बाद से उनके नेतृत्व में शराबबंदी का अभियान चलाया जाएगा। और साथ ही साथ इस अभियान में सरकार का भी सहयोग मांगा जाएगा।

रोजगार सृजन के लिए बजट में देंगे 500 करोड़ रुपए, गरीब परिवारों को मिलेगा 6000 प्रतिमाहः प्रियंका

पणजी। (एजेंसी)

गोवा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ रैलियां की। कांग्रेस महासचिव ने सोमवार को नवेलिम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है तो महिलाओं को तमाम सरकारी रोजगार में 30 फीसदी आपको मिलेंगे। मारगांव में वर्किंग वोमेन हास्टल बनाए जाएंगे। गोवा में जब से यह सरकार आई हैं तब से महिलाओं के प्रति अपराध 24 फीसदी बढ़ गया है। ऐसे में इन्हें रोकने के लिए महिला पुलिस स्टेशनों को बढ़ाया जाएगा। स्वयं सहायत ग्रुप चलाने वालों को एक लाख रुपए तक की सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि गोवा का प्रत्येकवासी स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठा पाएगा। रोजगार पैदा करने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपए दिलाए जाएंगे। गोवा स्टॉफ सलेक्शन कमीशन की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब गोवा के लिए नीतियां बनाएगी उसे आप लोगों की सहमति के बिना नहीं बनाई जाएंगी। यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। इसमें आप लोग गोवा का भविष्य चुनने जा रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए मेरे दिल में बहुत प्यार है, यह कोई नया प्यार नहीं बल्कि पुस्तो पुराना प्यार है।

इसी बीच उन्होंने अपनी दादी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आप लोगों के सामने खड़े होकर सिर्फ चुनाव की बात करना सही नहीं लगता है क्योंकि हमारा दिल का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि सही निर्णय लेने का समय आ गया है, अगर आप सही निर्णय नहीं लेते हैं तो आपका प्रदेश, संस्कृति, पर्यावरण, छोटे-छोटे कारोबार नहीं बचेंगे। क्योंकि सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होनी चाहिए कि जनता के लिए काम करें। जो यह नहीं करता है वो जनता का नुकसान करता है।

दाऊद इब्राहिम पर शिकंजा कसेगी एनआईए

नई दिल्ली (एजेंसी)

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम पर देश की आतंक पर जांच करने वाली सबसे बड़ी एजेंसी एनआईए शिकंजा कसेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से इसके लिए एक नया प्लान तैयार किया गया है। बता दें कि इस लेकर गह मंत्रालय की बड़ी बैठक हुई थी। बैठक के बाद निर्णय लिया गया है, कि दाऊद इब्राहिम और डी कंपनी से जुड़े हुए मामलों की जांच एनआईए को दी जाए।इसके लिए बाकायदा गृह मंत्रालय की तरफ से नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है।

एनआईए द्वारा दर्ज प्राथमिकी में दाऊद और उसके सहयोगियों के नामों का उल्लेख किया गया है।इसबारे में एनआईए के अधिकारी के हवाले से कहा है कि दाऊद लंबे समय से पूरे भारत में आतंकी गतिविधियां फैला रहा था। उन्होंने हवाला चैनलों के माध्यम से उन लोगों की आर्थिक मदद की है, जो पूरे भारत में अशांति पैदा करने के लिए उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। एजेंसियां डी-कंपनी की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखकर पाया है कि हाल के दिनों में उन्होंने दंगा जैसी स्थिति पैदा करने के लिए पूरे भारत में लोगों की भर्ती की है। वे राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं और विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश भी कर रहे हैं। इसके पहले, भारत भर में होने वाली कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में दाऊद की संलिप्तता के बारे में हमारे साथ बहुत सारी जानकारी साझा की गई थी। वह भारत में लोगों की भर्ती कर रहा है और दंगा जैसी स्थिति पैदा करने के लिए आर्थिक और तार्किक रूप से उनकी मदद कर रहा है।

ओवैसी पर हमला प्रकरण- गंभीरता से हो रही जांच, शीघ्र सुरक्षा लें एआईएमआईएम चीफः गृह मंत्री शाह

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पुनः सत्ता पाने के लिए भाजपा पूरे जोर शोर से प्रचार में जुटी है। इन सब के बीच कुछ दिन पहले एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर फायरिंग हुई थी। इस मुद्दे को संसद में ओवैसी और उनकी पार्टी की ओर से बढ़-चढ़कर उठाया गया था। इसी को लेकर आज गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपना जवाब दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। रूट के बारे में जानकारी नहीं थी। इसके साथ ही गृह मंत्री ने ओवैसी से तत्काल सुरक्षा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि ओवैसी पहले भी सुरक्षा लेने से मना कर चुके हैं। अमित शाह ने बताया कि इस मामले में फिलहाल 2 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और पूछताछ की जा रही है। शाह ने कहा कि त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, उनके पास से दो अनधिकृत पिस्तौल और एक ऑल्टो कार बरामद की गई। फोरेंसिक टीम कार और घटना स्थल की सूक्ष्म जांच कर रही है, साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओवैसी ने तेलंगाना और दिल्ली पुलिस की सुरक्षा लेने से भी मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि ओवैसी का हापुड़ जिले में कोई पूर्व निर्धारित कार्यक्रम नहीं था, उनके आवागमन की कोई सूचना जिला नियंत्रण कक्ष को पहले नहीं भेजी गई थी। घटना के बाद वह सकुशल दिल्ली पहुंच गए। लेकिन उसके वाहन के निचले हिस्से पर गोली के 3 निशान थे। इस घटना को तीन गवाहों ने देखा। एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले केंद्र सरकार ने प्रमुख मुस्लिम नेता एवं हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कमांडो द्वारा 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला किया। ओवैसी ने 'जेड' श्रेणी सुरक्षा देने की सरकार की पेशकश शुक्रवार को ठुकरा दी थी। ओवैसी ने आरोप लगाया था कि चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से दिल्ली लौटते समय अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि वह सुरक्षित हैं। ओवैसी की कार राष्ट्रीय राजमार्ग 24 के हापुड़-गाजियाबाद खंड पर छिजारसी टोल प्लाजा के करीब थी तभी शाम करीब छह बजे यह घटना हुई।

उत्तराखंड चुनाव में केजरीवाल का दिल्ली वाला दांव, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सब फ्री, 'आप' को वोट देने से होगी 10 लाख की बचत!

नई दिल्ली (एजेंसी)

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव के आखिरी दिनों में पार्टी की रणनीति को धार देने के लिए उत्तारखंड के सातवें दौरे पर हैं। वे तीन दिन तक तीर्थ नगरी हरिद्वार से पार्टी के चुनाव प्रचार का मोर्चा संभालने वाले हैं। केजरीवाल की तरफ से पार्टी की स्टेट यूनिट से मुलाकात के बाद जनता से कई चुनावी वायदे किए गए हैं। उत्तराखंड का चुनावी मोर्चा संभालने वाले केजरीवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश को 24 घंटे बिजली देने का वादा किया है।

दिल्ली वाला मॉडल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हरिद्वार में कहा कि सात साल से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। नई पार्टी को पहली बार दिल्ली के लोगों ने मौका दिया। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अभूतपूर्व विकास किया है। सरकारी स्कूल से लेकर अस्पताल तक शानदार कर दिए। ढेरो मोहल्ला क्लिनिक बनाए गए। पहले पॉवर कट लगते थे जबकि बिजली अब चौबीस घंटे आती है। बिजली मुफ्त कर दी गई। बहुत सारे काम दिल्ली के अंदर किए गए। आप अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से दिल्ली में फोन करके पूछो कि केजरीवाल ने कुछ काम किया? अगर कोई कहे कि केजरीवाल ने काम नहीं किया तो उत्तराखंड में भी मुझे वोट मत देना। अगर कोई कहे कि काम किया तभी वोट देना। मैंने दिल्ली की जनता से कहा है कि अगर में 2025 तक यमुना को साफ नहीं कर पाऊं तो मुझे वोट मत देना।

महिलाओं के खाते में 1 हजार रुपए

हरिद्वार में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उत्तराखंड में 10 साल कांग्रेस और 11 साल भाजपा ने राज किया। इतने सालों में भ्रष्टाचार को छोड़कर उत्तराखंड के लोगों ने कुछ नहीं देखा। उत्तराखंड की दुर्दशा के लिए ये दोनों पार्टियां ज़िम्मेदार है। आज उत्तराखंड के अंदर सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है। जब तक किसी बेरोजगार को नौकरी नहीं मिलती है उसके लिए 5,000 रुपए का बेरोजगारी भत्ता होगा। 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के खाते में हर महीने 1,000 रुपए डाले जाएंगे।

पांच साल में लोगों को 10 लाख का फायदा

केजरीवाल ने कहा कि हम शिक्षा फ्री करेंगे। आज अगर एक आदमी के तीन बच्चे हैं। वो अपने बच्चे को प्राइवेट स्कूल भेजता है। कम से कम एक बच्चे का तीन हजार रुपए महीने का तो खर्चा आ ही जाता है। तो ऐसे में उसके नौ हजार रुपए बचेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इस साल दिल्ली के अंदर ढाई लाख बच्चों ने अपने नाम प्राइवेट स्कूल से कटवाकर सरकारी स्कूल में भर्ती करवाया। इसके अलावा हम बिजली फ्री करेंगे, हर एक का इलाज मुफ्त करेंगे।

कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी, बोले- विकास पर लगे ब्रेक को डबल इंजन की सरकार ने हटाया

देहरादून। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देहरादून और हरिद्वार के मतदाताओं को विजय संकल्प सभा के माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहले अपने भूतपूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत जी, जो हमारी उत्तराखंड की धरती के गौरव थे, उनकों नमन करता हूं। मैं हर उस वीर को नमन करता हूं, जिन्होंने उत्तराखंड की धरती से प्रेरणा लेकर देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हरिद्वार के जन-जन में जो जोश है, भाजपा को लेकर जो भरोसा है उससे साफ है कि उत्तराखंड का आशीर्वाद पूरी तरह से भाजपा के साथ है। पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की डबल इंजन की सरकार एक बार फिर तय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पारखी जनता जानती है कि ये चुनाव उत्तराखंड राज्य का सपना पूरा करने वाले और उत्तराखंड के निर्माण को छल-साजिश से रोकने वालों के बीच में है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी है, जिसने अपनी सरकार में आने के तुरंत बाद अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य बनाया। दूसरी ओर, वो लोग हैं जिन्होंने उत्तराखंड के निर्माण को रोकने के लिए हर संभव षड्यंत्र किया, जितने हो सकते थे रोड़े अटकाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड हमारे आपके लिए तो देवभूमि है, लेकिन ये लोग उत्तराखंड को अपनी तिजोरी समझते हैं। ईश्वर ने जो प्राकृतिक सम्पदा इसे दी है, जो संसाधन दिये हैं, उन्हें ये लोग लूटते रहना चाहते हैं, अपनी जेबें भरते रहना चाहते हैं। यही इनकी मानसिकता है। लेकिन देवभूमि की देवतुल्य जनता ने ये तय कर लिया है कि अब इन्हें मौका नहीं मिलने वाला है। ये पुण्य प्रदेश अब इन्हें भ्रष्टाचार का पाप नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि जो लोग उत्तराखंड को राज्य के रूप में देखना ही नहीं चाहते थे, वो उत्तराखंड का विकास होते देखना चाहेंगे क्या? जो लोग उत्तराखंड के सपनों को इसलिए मारना चाहते थे ताकि उनकी विरासत चलती रहे, वे अब आपके संसाधनों की लूट बंद कर देंगे क्या? वो लोग कभी नहीं सुधरेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार सीमावर्ती गांवों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कर रही है। इस बजट में भी वाइब्रेंट विलेज नाम से एक योजना का ऐलान किया गया है। इस योजना के तहत सीमावर्ती गांवों में संसाधन और सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी ताकि वहां पर्यटन भी बढ़े।

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जो खुद तो कुछ अच्छा नहीं करना चाहते और कोई दूसरा अच्छा काम कर दे, तो उनके पेट में दर्द होने लगता है। उत्तराखंड को लेकर कांग्रेस पार्टी का यही रवैया रहा है। इनकी इच्छा के खिलाफ उत्तराखंड बन गया तो ये आज तक उससे अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। इन्होंने उत्तराखंड को पीछे धकेलने के लिए देश की सुरक्षा तक को ताक पर रखने में संकोच नहीं किया। ये राज्य हमारा बॉर्डर स्टेट है, यहां के गांव दूसरे देश की सीमा से जुड़े हुए हैं, इसलिए यहां का विकास, यहां के लोगों के जीवन के लिए ही नहीं बल्कि देश की रक्षा के लिए भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में डबल इंजन की सरकार होने से चीजें कैसे बदलती हैं, विकास पर लगे हुए ब्रेक कैसे हटते हैं इसका बहुत बड़ा उदाहरण ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम एक दशक पहले शुरू होना था लेकिन पिछली ब्रेक वाली सरकार ब्रेक पर ब्रेक लगाती रही।

उन्होंने कहा कि दिल्ली देहरादून हाइवे का काम भी साल 2000 में शुरू हुआ था, जब ये राज्य बना था। लेकिन कांग्रेस सरकार ने

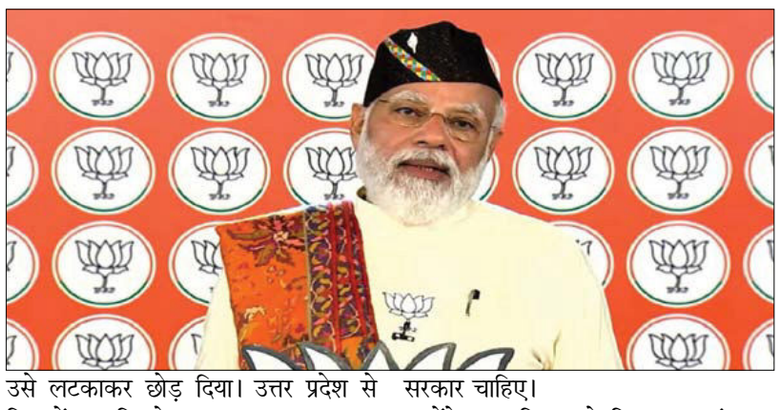

उसे लटकाकर छोड़ दिया। उत्तर प्रदेश से क्लियरेंस न मिलने का बहाना बनाया गया, जबकि केंद्र में इनकी और उत्तर प्रदेश में इनके भागीदारों की सरकार थी। ये काम भी तब पूरा हुआ जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार आयी। ये ब्रेक लगाने वाले फिर से मौके की तलाश में बैठे हैं। लेकिन अब उत्तराखंड को गति चाहिए, प्रगति चाहिए। उत्तराखंड को लगातार डबल इंजन की सरकार चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए उत्तराखंड का विकास, यहां की सेवा पुण्य का काम है। इसलिए, हम उत्तराखंड और हरिद्वार के लिए काम करते हैं, जी-जान लगाकर काम करते हैं, पवित्र मन से काम करते हैं, जबकि वो अपने 'घर-द्वार' और परिवार के लिए काम करते हैं।

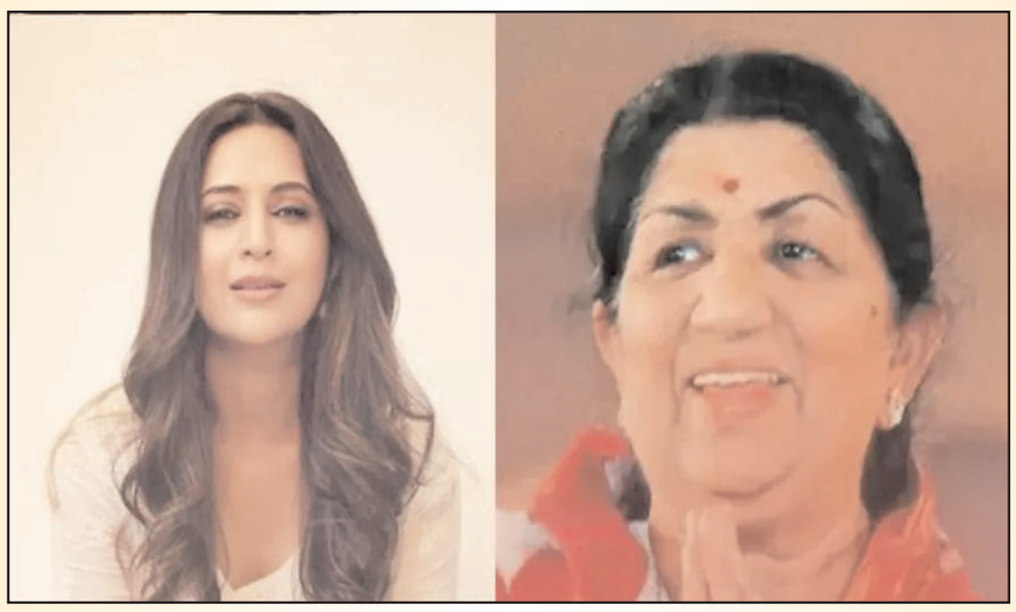

दिव्यांका पर लता मंगेशकर का ट्रिब्यूट मेसेज कॉपी करने का आरोप, ऐक्ट्रेस ने दिया मुंहतोड़ जवाब

ऐक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दिया है, जो उन पर लता मंगेशकर के लिए ट्रिब्यूट मेसेज कॉपी करने का आरोप लगा रहे थे। हैरानी की बात है कि ऐसे मौके पर भी कुछ लोग गलत बातें बोलने या ट्रोल करने का मौका ढूंढ लेते हैं। लता मंगेशकर का 6 फरवरी को निधन हो गया था। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर लोग लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देने लगे। दिव्यांका को भी लता मंगेशकर के निधन से सदमा लगा और उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वर कोकिला को श्रद्धांजलि दी।

दिव्यांका ने अपने ट्विटर हैंडल पर लता मंगेशकर की एक तस्वीर शेयर कर साथ में कुछ लाइनें लिखीं। लेकिन इस मेसेज को पढ़ने के बाद कुछ यूजर्स ने उन्हें निशाने पर ले लिया। एक यूजर ने उन पर कहीं से लाइनें चुराने का आरोप लगाया। यह देख दिव्यांका से रहा नहीं गया और उन्होंने उस यूजर को तगड़ा जवाब दिया।

दिव्यांका ने ट्विटर पर लिखा, मुझे इनडायरेक्टली यह बताने के लिए बहुत शुक्रिया की मैं अच्छा लिखती हूं। तुम्हारे तिरस्कार में मेरी तारीफ है।

दिव्यांका ने लता मंगेशकर के लिए जो ट्रिब्यूट मेसेज लिखा था, वह कुछ यूं था, आपने आज हमारे देश को एक शून्य में छोड़ दिया है लता जी। कला इतिहासकार आपके काम को स्टडी करेंगे और आपके गाने सदियों तक अमर रहेंगे। आप भारत की आजादी से लेकर आज तक संगीत का युग थीं जो आज खत्म हो गया।

दिव्यांका ही नहीं, कुछ लोगों ने शाहरुख खान को भी अपने निशाने पर ले लिया। शाहरुख का लता मंगेशकर के अंतिम दर्शन से एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह दुआ। पढ़ने के बाद लता जी के पार्थिव शरीर पर फूंक मारते नजर आए। लेकिन कुछ यूजर्स को लगा कि उन्होंने थूका है और इसी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। इसके बाद राखी सावंत और उर्मिला मातोंडकर, शाहरुख के सपॉर्ट में सामने आई हैं।

सुष्मिता सेन की भाभी ने शेयर किया बेटी का वीडियो, प्रैम से ही ले रही बुआ के 'चुनरी चुनरी' गाने पर ट्रेनिंग

सुष्मिता सेन की भाभी चारू असोपा ने अपनी बेटी ज़ियाना सेन का मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी ऐक्ट्रेस बुआ के गाने को इंजॉय करती दिख रही है। चारू ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें बच्ची के सामने टीवी पर सुष्मिता सेन और सलमान खान की फिल्म बीवी नंबर 1 का गाना चुनरी चुनरी चल रहा है।

बेबी जियाना अपने स्ट्रॉलर में टीवी के सामने लेटी हुई दिख रही है। वीडियो में बच्ची स्माइल करती नजर आ रही हैं। चारू ने इस वीडियो को शेयर कर लिखा है, बुआ की जान, बुआ के गाने पर इंजॉय कर रही।

जैसे ही चारू ने वीडियो शेयर किया, सुष्मिता ने झट से जवाब देते हुए कहा, बुआ की जान जो है। ओके, बहुत ज्यादा मिस कर रही हूं।

सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन की वाइफ चारू असोपा ने पिछले साल नवंबर में अपनी बेटी को जन्म दिया था। उन्होंने यूट्यूब वीडियो शेयर कर बताया था कि अपनी बच्ची का नाम जियान क्यों रखा है। उन्होंने बताया था कि यह नाम किसी और ने नहीं बल्कि सुष्मिता सेन की बेटी अलीसा सेन ने रखा है।

हाल ही में सुष्मिता सेन ने सोशल मीडिया पर अपने रिलेशनशिन को लेकर अपडेट दिया था और बताया कि रोहमन शॉल से उनका ब्रेकअप हो चुका है। हालांकि, हाल ही में दोनों की फिर मुलाकात हुई और एक बार फिर से उनके रिलेशनशिप को लेकर अफवाह उड़ चली।

गिरफ्तार हुईं तारक मेहता की 'बबीता' जी

4 घंटे पूछताछ के बाद जमानत पर छोड़ा

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम बबीता उर्फ अभिनेत्री मुनमुन दत्ता सोमवार को कोर्ट में पेश हुईं। हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशानुसार दलित समाज पर टिप्पणी मामले में दर्ज एससी/एसटी एक्ट के केस में जांच अधिकारी डीएसपी विनोद शंकर के समक्ष पेश हुई हैं।

मुनमुन दत्ता की अग्रिम जमानत याचिका हिसार की एससी एसटी एक्ट के तहत स्थापित विशेष अदालत ने 28 जनवरी को खारिज कर दी थी। एक कार्यक्रम में अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने जाति विशेष के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी, उसी मामले में केस दर्ज हुआ था।

इसके बाद मुनमुन दत्ता ने अग्रिम जमानत के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की शरण ली थी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जज अवनीश झिंगन ने गत 4 फरवरी के अपने आदेश में मुनमुन दत्ता को हांसी में जांच अधिकारी के समक्ष पेश हो होने को कहा था। जांच अधिकारी को आदेश दिए गए थे कि मुनमुन दत्ता को गिरफ्तार कर पूछताछ करने के बाद अंतरिम जमानत पर छोड़ दिया जाए।

इसके अतिरिक्त जांच अधिकारी को निर्देश दिए गए थे कि वे आगामी 25 फरवरी को जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट के समक्ष पेश करें। फिल्म अभिनेत्री मुनमुन दत्ता को 11 फरवरी से पहले पहले जांच अधिकारी के समक्ष पेश होकर जांच में शामिल होना था, जिसके बाद वह सोमवार को हांसी पहुंची।

गौरतलब है कि पिछले साल 9 जनवरी को मुनमुन दत्ता पर यूट्यूब पर एक वीडियो जारी कर अनुसूचित जाति के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था। इस पर हांसी के दलित अधिकार कार्यकर्ता रजत कलसन ने थाना शहर हांसी में मुनमुन दत्ता के खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।

सारा अली खान फरवरी के आखिरी हफ्ते में शुरू करेंगी 'गैसलाइट' की शूटिंग, मिथुन स्टारर 'बेस्ट सेलर' का ट्रेलर रिलीज

डायरेक्टर पवन कृपलानी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गैसलाइट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म में सारा अली खान, चित्रांगदा सिंह और विक्रांत मेस्सी लीड रोल में नजर आएंगे। अब खबर आ रही है कि सारा, चित्रांगदा और विक्रांत फरवरी के आखिरी हफ्ते में फिल्म राजकोट में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। राजकोट के बाद मुंबई में भी फिल्म की शूटिंग होगी। इस फिल्म को रमेश तौरानी ने प्रोड्यूस किया है।

मिथुन चक्रवर्ती स्टारर बेस्ट सेलर का ट्रेलर हुआ रिलीज

मिथुन चक्रवर्ती स्टारर बेस्ट सेलर का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह सीरीज OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम में 18 फरवरी को स्ट्रीम होगी। सीरीज को मुकुल अभयंकर ने डायरेक्ट किया है। इसमें मिथुन के अलावा अर्जन बाजवा, श्रृति हसन गौहर खान और सत्यजीत दुबे नजर आएंगे। बेस्ट सेलर से मिथुन अपना डिजिटल डेब्यू कर रहे हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म 'मस्तानी' पर हिंदी में रिलीज हुई रसियन सीरीज 'द गोल्डन होर्डे'

मुंबई। फिल्म निर्माता-अभिनेता हैदर काजमी के ओटीटी प्लेटफॉर्म मस्तानी पर रसियन सीरीज 'द गोल्डन होर्डे हिंदी में रिलीज की गयी है।

'द गोल्डन होर्डे सीरीज यूरोप के सबसे बड़े देश रूस में 13 वीं शताब्दी के अंत की कहानी है, जिसे दुनिया भर में सराहा जा चुका है। इसे अब हैदर काजमी अब हिंदी के दर्शकों के लिए नए सिरे से डब कर अपने ओटीटी प्लेटफार्म मस्तानी पर लेकर आये हैं।रसियन सीरीज 'द गोल्डन होर्डे के 16 एपिसोड हैं।

हैदर काजमी ने बताया कि वर्ष 2018 में आई चर्चित रसियन सीरीज 'द गोल्डन होर्डे बेहद एडवेंचर, ड्रामा, एक्शन और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के जॉनर का है। यह हिंदी भाषी दर्शकों को एक अलग दुनिया में ले जाने वाला सीरीज है। इसमें प्रेम, जुनून और सियासत की शानदार नुमाइश देखने को मिलेगी।

गौरतलब है कि 'द गोल्डन होर्डे' का निर्माण लेन ब्लावातनिक, ऐलेना डेनिसेविच, रूबेन दिशिश्यान,एरोम मोव्सेस्यन और नेली यारालोवा ने किया है, जबकि सीरिज का निर्देशन तैमूर अल्पाटोव ने किया है।

'बड़े मियां छोटे मियां' में साथ आएंगे अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ, टीजर के साथ हुआ फिल्म का ऐलान

इन दिनों बॉलीवुड के सबसे व्यस्तम अभिनेता अक्षय कुमार की एक और नई फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का ऐलान मंगलवार को हो गया है।

इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ अभिनेता टाइगर श्रॉफ भी नजर आएंगे। मेकर्स ने इस फिल्म की अनाउंसमेंट के साथ ही इसका एक टीजर भी जारी किया है,जिसे अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा किया है।

इस टीजर को साझा करते हुए अक्षय कुमार ने लिखा-जिस साल तुमने इस दुनिया में डेब्यू किया (जन्म लिया) मैंने उस साल फिल्मों में डेब्यू किया था। फिर भी मुकाबला करोगे छोटे मियां? चल फिर हो जाए फुल ऐक्शन! इसके साथ ही अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ को टैग भी किया है।

वहीं टाइगर श्रॉफ ने भी फिल्म का टीजर साझा करते हुए लिखा-डबल एक्शन, डबल धमाका। बड़े मियां तैयार हो। तो खिलाड़ियों की तरह दिखाइए हीरोपंती?आप सभी के सामने आने के लिए बहुत उत्साहित हूँ, अब तक का सबसे बड़ा एक्शन एंटरटेनरसबड़े मियां छोटे मियां !

टीजर की शुरुआत एक एक्शन दृश्य के साथ होती है, जिसमें टाइगर एक सोल्जर के अंदाज में एक्शन से भरी हुई एंट्री लेते हैं। इसके बाद अक्षय आते हैं। दोनों मिलते हैं। अक्षय, टाइगर से पूछते हैं, तू यहां कर रहा है। टाइगर कहते हैं, सर अपनी अगली फिल्म एनाउंस कर रहा हूँ। कब आ रही है तेरी फिल्म। टाइगर बताते हैं, क्रिसमस 2023। अक्षय पूछते हैं कि क्या नाम है तेरी फिल्म का। टाइगर बताते हैं, छोटे मियां। फिर अक्षय अपनी फिल्म का नाम बताते हैं, बड़े मियां। अक्षय टाइगर से कहते हैं, साथ में आएगी।

सोशल मीडिया पर फिल्म के इस टीजर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अक्षय और टाइगर की यह फिल्म में एक्शन के साथ-साथ कॉमेडी का भी तड़का होगा। यह पहला मौका है जब अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ पहली बार किसी फिल्म में नजर आएंगे। बड़े मियां छोटे मियां को अली अब्बास जफर डायरेक्ट करेंगे, जबकि इस फिल्म को वाशु भागनानी और पूजा एंटरटेरमेंट प्रड्यूस कर रहे हैं।

गौरतलब है, फिल्म बड़े मियां छोटे मियां नाम से वाशु भगनानी निर्मित फिल्म 1998 में रिलीज हुई थी, जो कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन ने किया था। इस फिल्म में गोविंदा और अमिताभ बच्चन की जोड़ी ने दर्शकों को खूब एंटरटेन किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार इस नाम से निर्मित वाशु भगनानी की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय और टाइगर की जोड़ी दर्शकों को कितना इंटरटेन कर पाती है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शेयर किया वर्कआउट वीडियो

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर अपना वर्कआउट वीडियो शेयर किया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

सिद्धार्थ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म योद्धा की शूटिंग कर रहे हैं। योद्धा के सेट पर सिद्धार्थ अपनी फिटनेस का खूब ख्याल रख रहे हैं और एक्सरसाइज कर रहे हैं।

सिद्धार्थ ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि सिद्धार्थ एक पेड़ पर बंधे जमनास्टिक रिंग्स पर लटककर मसल्स अप्स और 360 डिग्री टर्न कर रहे हैं। इस वर्कआउट वीडियो को शेयर कर

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कैप्शन लिखा, ÷कोई जिम नही, कोई वक्त नही, कोई बहाना नहीं। एक्सरसाइज के लिए बस मुझे एक पेड की जरूरत है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी आलिया भट्ट की 'डार्लिंग'

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की फिल्म डार्लिंग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। आलिया भट्ट की बतौर निर्माता पहली फिल्म डार्लिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। फिल्म डार्लिंग को आलिया भट्ट ने प्रोड्यूस किया था और शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने को-प्रड्यूस किया है। यह फिल्म इस साल गर्मी में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म डार्लिंग एक डार्क कॉमेडी है और मेकर्स को लगा कि फिल्म ओटीटी के जरिए अपने टारगेट ऑडियंस तक पहुंच पाएगी। कई ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ बातचीत चल रही थी और आखिरकार नेटफ्लिक्स को स्पेशल स्ट्रीमिंग के राइट्स मिले हैं।

फिल्म डार्लिंग में आलिया भट्ट, शेफाली शाह, रोशन मैथ्यू और विजय वर्मा महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मां-बेटी के रिश्ते के बारे में है। शेफाली शाह फिल्म में आलिया भट्ट की मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

कंगना रनौत के 'लॉकअप' में नजर नहीं आएंगे वीर दास

फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपने शो लॉकअप को लेकर चर्चा में है। यह एक रियलिटी शो है और इस शो के जरिये कंगना होस्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं।इस शो की प्रोड्यूसर-डायरेक्टर एकता कपूर हैं। ऑल्ट बालाजी और भारत का एंटरटेनमेंट सुपर ऐप एमएक्स प्लेयर इस शो को अपने ऑडियंस के लिए ला रहा है, जो बेबाक, बिंदास और बोल्ड होगा।वहीं इस शो को लेकर यह चर्चा भी थी कि इस शो में कंगना के साथ एक्टर और कॉमेडियन वीर दास भी नजर आएंगे। लेकिन अब वीर दास ने इस तरह की खबरों का खंडन करते हुए इसे महज एक अफवाह बताया है। वीर दास ने ट्वीट कर स्पष्ट रूप से कहा है कि- मुझे इसके लिए कभी संपर्क नहीं किया गया और इसमें मेरी दिलचस्पी भी नहीं है। कंगना और उनकी कास्ट को लॉकअप के लिए शुभकामनाएं। वीर दास का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें कि वीर दास ने कंगना रनौत के साथ फिल्म रिवॉल्वर रानी में स्क्रीन शेयर की थी । लेकिन हाल ही अपने वीडियो आई कम फ्रॉम एन इंडिया को लेकर विवादों में घिरे वीर दास पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने उन पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी । जिसके बाद अब वीर दास ने भी कंगना के शो पर अपना स्पष्टीकरण देकर साफ कर दिया है कि उन्हें कंगना के साथ काम करने में कोई खास दिलचस्पी नहीं है।

डबल इंजिन की सरकार ने युवाओं को डबल धोखा दिया:अनुपम

मेरठ। बेरोज़गारी के खिलाफ चल रहे आंदोलन 'युवा हल्ला बोल' की अगुवाई कर रहे अनुपम ने भाजपा घोषणापत्र को जुमला-पत्र बताते हुए कहा कि 2017 में युवाओं से किए वादों पर बुरी तरह फेल होने के बाद भाजपा को अब घोषणापत्र जारी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने युवाओं से जितने भी वादे किए वो पूरा नहीं कर पायी और प्रदेश के युवाओं को बेरोज़गारी के अंधकार में धकेल दिया है।

अनुपम ने कहा कि पिछले पाँच साल में रोज़गार करने लायक लोगों की संख्या तो प्रदेश में बढ़ी है, लेकिन रोज़गार कर रहे लोगों की संख्या कम हो गयी। इतना ही नहीं, रोज़गार ढूंढ रहे युवाओं की संख्या भी घट गयी है। मतलब कि उत्तर प्रदेश में बेरोज़गारी तो बढ़ी ही है, युवाओं में रोज़गार पाने को लेकर नाउम्मीदी भी बेतहाशा बढ़ी है। इसी हताशा का नतीजा है कि आए दिन बेरोज़गार युवाओं के आत्महत्या की खबरें आती रहती हैं।

उक्त बातें युवा हल्ला बोल संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुपम ने मेरठ कैंट में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। अनुपम ने कई बिंदुओं पर सरकार को घेरते हुए उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की भाजपा सरकार ने युवाओं को डबल धोखा दिया है।

योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल से पहले दिसंबर 2016 में जहाँ 5 करोड़ 75 लाख 19 हज़ार लोग रोजगार कर रहे थे, वहीं आज यह संख्या घटकर 5 करोड़ 59 लाख 76 हज़ार हो गई है

इतना ही नहीं, नौकरी करने की चाहत रखने वालों की संख्या भी पिछले पाँच साल में 6 करोड़ 25 लाख से घटकर 5 करोड़ 88 लाख हो गई जबकि नौकरी करने योग्य लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है

भाजपा के इन 5 साल के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश के ग्रेजुएट

- युवाओं को रोज़गार की जगह सिर्फ झूठा प्रचार मिला: रजत यादव
- भाजपा का घोषणापत्र किसी जुमला-पत्र से कम नही: प्रशांत कमल

युवाओं में बेरोजगारी दर बढ़कर दुगुनी हो गई है

वादा किया कि सरकार बनते ही 90 दिनों के अंदर सभी रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे, लेकिन 5 साल बाद भी 5 लाख से अधिक पद रिक्त हैं

प्रचार में 5 लाख सरकारी नौकरी का दावा करने वाली सरकार आरटीआई के जवाब में इन्हीं नौकरियों का विभागवार ब्यौरा नहीं दे पाती है

प्रदेश सरकार के स्कूलों में तीन लाख से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त होने के बावजूद पाँच वर्षों के कार्यकाल में एक भी नयी शिक्षक भर्ती नहीं निकली

भर्तियों में लेटलतीफी, भ्रष्टाचार और अनियमितता का यह आलम है कि प्रदेश में कम से कम एक दर्जन पेपर लीक हुए और अकेले यूपीएसएसएससी की कुल 21 भर्तियाँ लंबित हैं

इस चिंताजनक परिस्थिति के लिए अनुपम ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को सीधे तौर पर दोषी ठहराया और कहा कि डबल इंजिन की सरकार ने युवाओं के साथ डबल धोखा किया है। राज्य से लेकर केंद्र तक की भाजपा सरकार युवाओं की आशाओं आकांक्षाओं के प्रति संवेदनहीन रही हैं।

'युवा हल्ला बोल' के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी रजत यादव ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के कार्यकाल में युवाओं को रोज़गार के नाम पर सिर्फ झूठा प्रचार मिला है। यह झूठा प्रचारतंत्र प्रदेश ही नहीं दिल्ली बैंगलोर समेत देश भर में चलाया गया। रोज़गार देने की बजाए जनता का पैसा झूठे प्रचार में बहाने को लेकर रजत यादव ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए युवाओं से पढ़ाई कमाई दवाई के मुद्दों पर वोट करने की अपील की।

रजत यादव ने बताया कि वो पहले दिन से ही उत्तर प्रदेश के चुनावों को युवाओं के एजेंडे पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी के तहत 'युवा हल्ला बोल' मुहिम की शुरुआत की गयी है जिसके जरिए प्रदेश भर में चौपालों का आयोजन किया गया है।

आंदोलन के राष्ट्रीय महासचिव प्रशांत कमल ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया और भाजपा नेता अमित शाह द्वारा जारी किए गए घोषणापत्र को जुमला-पत्र की संज्ञा दी। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा घोषणापत्र के लिखित वादों को याद दिलाते हुए प्रशांत कमल ने कहा कि युवाओं को डबल इंजिन की सरकार ने डबल धोखा दिया है। लेकिन देश का बेरोज़गार युवा अब सरकार की अक्षमता और संवदेनहीनता के खिलाफ आवाज़ उठाने लगा है। अगर सरकारों को अब भी होश नहीं आया तो आने वाले समय में रोज़गार के लिए बड़े युवा आंदोलन की तैयारी होगी।

शहर लखनऊ के सभी विधानसभा अध्यक्ष सपा उम्मीदवार का करें प्रचार.. मुर्तजा अली

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नगर कार्यालय पर नगर अध्यक्ष जरा मुर्तुजा अली ने लखनऊ शहर के 5 विधानसभा अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र दिया गया जिसमें पूर्वी विधानसभा के अध्यक्ष जावेद सिद्दीकी पश्चिमी विधानसभा अध्यक्ष संजय वर्मा जी पश्चिमी विधानसभा महिला अध्यक्ष रजनी तिवारी कैंट विधानसभा अध्यक्ष कन्हैया लाल यादव मध्य विधानसभा अध्यक्ष आमिर अहमद उत्तरी विधानसभा अध्यक्ष आशुतोष तिवारी जी को नियुक्ति पत्र दिया गया इस मौके पर नगर अध्यक्ष मुखिया जी ने सभी विधानसभा अध्यक्षों से गठबंधन के प्रत्याशियों के प्रचार प्रसार जनसंपर्क कार्यक्रम और छोटी-छोटी मीटिंग करा कर उनकी जीत सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया !

सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए महोना में जनसंपर्क करके वोट और सपोर्ट की अपील करते

बीकेटी लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवाहन पर समाजवादी पार्टी एवं पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के पदाधिकारियों ने नगर पंचायत महोना के कई वार्डों में डोर टू डोर जनसंपर्क करते हुए समाजवादी पार्टी के बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी भाई गोमती यादव के लिए वोट मांगते हुए और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनता के बीच में पूर्व में किए गए प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए समाजवादी पार्टी के चुनाव निशान साइकिल पर बटन दबाकर भारी मतों से जिताने की अपील करते हैं साथ में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष रमेश चंद बाबू जी, पूर्व पार्षद सदस्य जिला नीति आयोग के मोहम्मद अकील खान,पूर्व सभासद मोहम्मद वसीम,संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रईस, संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान,मुन्ना सामानी,हाशिम बेग,इसहाक मोहम्मद, सलाउद्दीन,इश्तियाक अहमद,सपा युवा नेता मोहम्मद तौहीद खान,शकील इदरीसी,पूर्व सभासद राम अवतार,के साथ समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए जन संपर्क करते हुए पाठशाला मो।

लखनऊ उत्तरी विधानसभा के प्रत्याशी पूजा शुक्ला के लिए प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने किया जनसंपर्क ....मुर्तुजा अली

लखनऊ । लखनऊ प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव आमिर खालिद खान साहब ने विधानसभा क्षेत्र 172 से सपा गठबंधन उम्मीदवार पूजा शुक्ला जी के लिए फैजुल्लागंज में आज एक मीटिंग और जनसंपर्क का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि पूजा शुक्ला जी उम्मीदवार के तौर पर उपस्थित रहें खुसूसी मेहमान के रूप में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष और प्रवक्ता मुर्तुजा अली मौके पर उपस्थित रहे मुर्तुजा अली जी ने लोगों से अपील की की

माननीय अखिलेश सिंह यादव जी ने आपके बीच से लोकप्रिय और कर्मठ उम्मीदवार भेजा है आप सब लोग मिलकर उनको बड़ी जीत दिलाएं

आमिर खालिद साहब ने इस मौके पर प्रत्याशी पूजा शुक्ला जी के लिए फैजुल्लागंज में सभी धर्मों से वोट करने की अपील की इस मौके पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नबी रसूल सचिव यासिर साहब नगर अध्यक्ष मोहम्मद ताज मोहम्मद शमीम अमन मिश्रा मोहम्मद फिरोज क्षेत्र की जनता प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के सभी।

परिषद ने किया उत्तर प्रदेश में जोरदार प्रचार डॉ अजय तिवारी

गोरखपुर। भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय तिवारी उत्तर प्रदेश के चुनाव दौरे पर अपनी पूरी टीम के साथ भाजपा एव निषाद पार्टी के प्रत्याशी ,बाराबंकी, तमकुहीराज डॉ अशीम राय, देवरिया से शलभ मणि त्रिपाठी ,कुशीनगर से पी एन पाठक, सहजनवा से प्रदीप शुक्ला एव चौरी चौरा विधानसभा मे रहे और अपने पुराने मित्र निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद के पुत्र सांसद प्रवीण निषाद एवं भारतीय जनता पार्टी के युवा प्रत्याशी इंजीनियर सरवन निषाद को विजयी भव का आशीर्वाद दिया। एवं कहाँ की आज यदि उत्तर प्रदेश का विकास हुआ है जैसे गोरखपुर फर्टिलाइजर, मेडिकल कॉलेज, एम्स हॉस्पिटल ये सब भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी कार्यकाल मे ही हुआ है और आगे भी विकास होता रहेगा इसलिये भाजपा जितायो विकास लायो का नारा भी लगाया। डॉ अजय तिवारी के साथ परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारी सत्रुघ्न सिंह प्रधान भाऊआपार , जितेंद्र तिवारी, नन्हें राय, अनूप चौरसिया, योगेश पांडेय, मनीष कुमार, आनंद पाण्डेय, आशीष तिवारी , लाला एवं विनोद पांडेय मौजूद थे।

ठा. मूलचन्द चौहान के प्रचार में चार चांद साबित हुआ इमरान अख़्तर का समर्थन

नगर व क्षेत्र में इमरान अख़्तर जमकर कर रहे हैं बसपा का प्रचार

श्रेयस मनोरम

स्योहारा। सपा की बेवफाई के बाद बसपाई बने ठा. मूलचन्द चौहान ने हाथी पर सवार होकर धामपुर विधानसभा से चुनाव का बिगुल बजाया तो उनके विपक्षियो ने उनकी छवि धूमिल करने के षड्यंत्र भी शुरू कर दिए और उनके चुनाव को भी कमजोर करने का काम शुरू कर दिया गयाद्ध,पर इसी बीच मौजूदा चेयरमैन हाजी अख़्तर जलील,व उनके युवा नेता पुत्र इमरान उर्फ सनी अख़्तर ने अपने साथ डेढ़ दर्जन सभासदो व हज़ारो समर्थको के साथ मूलचन्द चौहान को जैसे ही अपना समर्थन दिया तो वेसे ही मूलचन्द चौहान के चुनाव में चार चांद लग गए और एक बड़ा गुट जिसमे सपा के पुराने व कद्दावर

नेता केसर महताब,रजत रस्तोगी,फैसल हिलाल,बब्बू,पम्मी यादव आदि भी मूलचन्द चौहान के पक्ष में चुनावी मैदान में उतरे गए ,जिसके बाद अब एक बड़ा काफिला इमरान अख़्तर की अगुवाई में गली गली गांव,गांव घूमकर न सिर्फ मूलचन्द चौहान का प्रचार कर रहे हैं बल्कि उनकी जीत की राह को आसान बना रहे हैं। एक प्रेस वार्ता के दौरान इमरान अख़्तर ने कहा कि ठा. मूलचन्द चौहान ने सिर्फ एक उम्मीदवार बल्कि क्षेत्र के विकास पुरुष के रूप में जाने जाते हैं.उन्होंने आगे कहा कि जब मूलचन्द जी क्षेत्र के जनप्रतिनिधि थे तो उन्होंने जनता के बीच जा जाकर उनकी समस्याओं का निदान सम्बंधित अधिकारी को मोके पर ही बुलवाकर कराया और रिश्वतखोरी पर लगाम कसने का काम किया था,और आज फिर उसी ऊर्जा और विकास की मंशा के साथ मूलचन्द चौहान हम सबके बीच हैं तो अब हम सबको पुनः धर्म जाती व दल व पार्टी से ऊपर उठकर अपने जाने पहचाने के आज़माए हुए ठाकुर मूलचन्द चौहान को दोबारा क्षेत्र का विधायक बनाकर क्षेत्र के विकास में भागीदार बनना चाहिए।

सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए महोना में जनसंपर्क करके वोट और सपोर्ट की अपील करते

बीकेटी लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवाहन पर समाजवादी पार्टी एवं पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के पदाधिकारियों ने नगर पंचायत

महोना के कई वार्डों में डोर टू डोर जनसंपर्क करते हुए समाजवादी पार्टी के बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी भाई गोमती यादव के लिए वोट मांगते हुए और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनता के बीच में पूर्व में किए गए प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए समाजवादी पार्टी के चुनाव निशान साइकिल पर बटन दबाकर भारी मतों से जिताने की अपील करते हैं साथ में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष रमेश चंद बाबू जी, पूर्व पार्षद सदस्य जिला नीति आयोग के मोहम्मद अकील खान,पूर्व सभासद मोहम्मद वसीम,संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रईस, संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान,मुन्ना सामानी,हाशिम बेग,इसहाक मोहम्मद, सलाउद्दीन,इश्तियाक अहमद,सपा युवा नेता मोहम्मद तौहीद खान,शकील इदरीसी,पूर्व सभासद राम अवतार ,के साथ समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए जन संपर्क करते हुए।

सपा में रालोद के गठबंधन प्रत्याशी विधायक हाजी तसलीम अहमद के लिए आधा दर्जन ग्राम प्रधानों ने वोट मांगे

प्रफुल्ल कुमार राय

नजीबाबाद, विधानसभा 17 गठबंधन के प्रत्याशी के प्रत्याशी विधायकहाजी तसलीम अहमद के लिए कई गांव के आधा दर्जन ग्राम प्रधानों ने दर्जनों गांव का दौरा कर वोट मांगे और मांग रहे हैं।हम आपको बताते चले किवोट डालने की तारीख जैसे-जैसे करीब आती जा रही है। गठबंधन के सपा प्रत्याशी के सपोर्टर दिन रात मेहनत करते नजर आ रहे हैं। और अपने प्रत्याशी के लिए गांव गांव जाकर घर घर जाकर वोट मांगने काकाम बेखुदी करते नजर आ रहे हैं और सरकार आने पर 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसी योजनाओं के बारे में वोटरों को समझाने का काम कर रहे हैं वैसे तो बसपा ,भाजपा, सपा ,असपा , कांग्रेस अधिक पार्टियों के प्रत्याशी वे सपोर्टर गांव गांव जाकर अपनी-अपनी पार्टियों की अच्छाइयां,वे खूबियां, तथा योजनाओं के बारे में जनता को समझा रहे हैं और आने वाली 14 तारीख को ज्यादा से ज्यादा अपने प्रत्याशी के पक्ष मेवोट करने की अपील कर रहे हैं। इसीलिएगठबंधन की सपा की साईकिल का पहिया तेजी से दौड़ता हुआ नजर आ रहा है । ग्राम प्रधान मरगूब अहमद शेख का कहना है कि हमारे प्रत्याशी के ऊपर कोई किसी किस्म का दाग दबा नहीं है ।और वे साफ-सुथरी छवि के प्रत्याशी हैं। उन्होंने हमेशा गरीबों की वे कमजोरो कि मदद करने का काम किया है। हमारे प्रत्याशी हाजी तसलीम अहमद को सर्व समाज के लोगों का प्यार वे वोट तथा सहयोग मिल रहा है ग्राम प्रधान रानीपुर कोटा के मेहताब शेख का कहना है ।कि पार्टी बहुमत से ज्यादा सीटे लाकर गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है ।और इंशाल्लाह हाजी तसलीम अहमद कई हजार वोटों से जीत कर विधानसभा मैं जाएंगे उन्होंने कहा है कि आने वाली 14 तारीख को ज्यादा से ज्यादा हमारे प्रत्याशी हाजी तसलीम को अपना कीमती वोट देकर कामयाब बनाइए। ग्राम प्रधान मरगूब ने बताया कि हमने करमसखेड़ी, ,खाईखेड़ी, गजरौला ,मिलक, मीरापुर ,दफरपुर, शेखपुरा कबाड़ी वाला फजलपुर नंगला ,आदि गांव में जाकर अपने प्रत्याशी के लिए लोगों से जनता से वोट करने की अपील की ग्राम प्रधान महताब ने बताया कि हमारे साथ ग्राम प्रधान डॉक्टर रफत शेख, एडवोकेट सादिक शेख ग्राम प्रधान फजलपुर, पूर्व ग्राम प्रधान रिजवान मंसूरी धन सीनी, बुनियाद अहमद हुमायूंपुर, ग्राम प्रधान फेमीद शेख हुसैनपुर, ग्राम गजरौला से नजर हसन शेख, अकबर शैक्ख असगर शेख अनीस शाह, सब्लू शेख, इंतजार शेख, मेहंदी हसन, मुबारिक हसन रोगन घर,आदि लोग मौजूद रहे ।

चांद चौधरी के नेतृव में सफल रही बाला सैनी की जनसभा

रवि शंकर तिवारी

सहसपुर। नूरपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी बाला सैनी आज अपने जनसम्पर्क अभियान के तहत सहसपुर पहुंची

जहां कांग्रेस नगराध्यक्ष चांद चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्याशी बाला सैनी द्वारा सिर्फ विशाल रोड शो निकला बल्कि सभी ने साथ मिलकर डोर टू डोर जाकर वोट की भी अपील की।

इस मौके पर चांद चौधरी ने कांग्रेस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बाला सैनी को वोट देने की अपील की साथ ही बाला सैनी ने भी अपने आप को कोई नेता नही बल्कि क्षेत्र की बहन होने के नाते वोट की अपील की,कार्यक्रम का संचालन आसिफ कुरेशी व अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष प्रेम सिंह सैनी ने किया ।

इस मौके पर सुरेश सिंह सैनी,ज़िला सचिव शेर सिंह सैनी,लवी चौधरीज़िला सचिव,मण्डल अध्यक्ष महेश सिंह,शमीम ठेकेदार, भूरे ठेकेदार आदि लोग मौजूद रहे।

चुनाव करीब आते देख प्रत्याशियों की धड़कने तेज

कुलदीप त्यागी

नजीबाबाद विधानसभा 17 बताते चलें कि जो जो चुनाव करीब आते जा रहे हैं 14 तारीख फरवरी मैं चुनाव होने हैं वैसे वैसे प्रत्याशियों के दिल की धड़कन तेज होती जा रही है हर प्रत्याशी सोचने पर मजबूर है की जनता चुनाव में क्या फैसला करेगी अब जनता भी बहुत होशियार हो गई है खामोशी अख्तियार करते हुए सही वक्त का इंतजार कर रही है प्रत्याशी अपने अपने हिसाब से क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की व नेताओं की अगर बात की जाए तो सभी पार्टी मेंबर होने के नाते चुनाव लड़ा रहे हैं लेकिन किसी भी वोटर से वह वोट देने के लिए नहीं कह रहे हैं वही बसपा के प्रत्याशी की अगर बात की जाए तो बसपा प्रत्याशी गांव गांव गली मोहल्ले मैं अपने दम पर चुनाव लड़ रहे हैं चौराहा या तहसील में बहस कर जनता कभी किसी को कभी किसी को जिताने का काम कर रही है कुछ लोगों का कहना यह भी है कि जितना मुस्लिम वोटर बसपा ले जाएगी उतना समाजवादी पार्टी का नुकसान होगा लेकिन अगर सही तस्वीर चुनाव की देखी जाए तो बसपा के प्रत्याशी को बहुत कम वोटों की जरूरत है जब के लोगों का रुझान समाजवादी पार्टी की और खुद ब खुद ही होता जा रहा है भाजपा प्रत्याशी की अगर मानें तो भाजपा के साथ वोट मांगने वालों की संख्या आपसी भेदभाव भूलाकरचुनाव लड़ा रहे हैं इस तरह चुनाव की बहस जगह जगह होती दिखाई दे रही है जनता का यह भी मानना है त्रिकोणीय मुकाबला विधानसभा 17 नजीबाबाद में होता जा रहा है कोई भी प्रत्याशी अपनी मेहनत में कमी नहीं कर रहा है समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के साथ भी वोट मांगने वालों का रेला चल रहा है जमीनी स्तर पर जनता 14 तारीख में क्या फैसला करेगी यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन हर प्रत्याशी अपने जीतने का दावा ठोक रहा है जनता के बीच यह भी चर्चा है कि पूरे जिले में अंसारी बिरादरी को समाजवादी पार्टी ने दरकिनार किया है इसका खामियाजा शायद समाजवादी पार्टी को भुगतना ना पड़ जाए लेकिन देखने में आया है जो जो चुनाव करीब आता जा रहा है समाजवादी पार्टी की लहर खुद ब खुद बढ़ती जा रही है लोगों का कहना है के विधायक से नाराजगी अलग बात है हम तो साइकिल पर वोट देकर अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं वही बसपा के कुछ नेताओं से बात करने पर पता चला कि वह कहते हैं कि प्रदेश में बसपा की सरकार बनेगी और बहन कुमारी मायावती मुख्यमंत्री होंगी इस तरह क्षेत्र की जनता में एक बहस छिड़ी हुई है 17 विधानसभा नजीबाबाद में 346000 वोटर है जिसमें लगभग 1 लाख 60,000 मुस्लिम है अब मुस्लिम वोटर के ऊपर आधारित चुनाव परिणाम होगा ऐसा कुछ पढ़े-लिखे लोगों का कहना है जनता का यह भी मानना है कि जितने ज्यादा वोट मुस्लिम बसपा लेगी उतना भाजपा प्रत्याशी का फायदा होगा अगर बात की जाए भाजपा को हराने की तुम मुस्लिम वोटर साइकिल के साथ लामबंद होता दिखाई दे रहा है भाजपा प्रत्याशी के अपने परंपरागत वोट ऐसे हैं जिनमें कोई भी प्रत्याशी सें द नहीं लगा रहे भाजपा पार्टी का परंपरागत वोट भाजपा प्रत्याशी के फेवर में चुनाव प्रचार होता दिखाई दे रहा है वही कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी भी अपना जोर शोर से दमखम लगा कर चुनाव प्रचार कर रहे हैं कांग्रेस पार्टी का जितना भी परंपरागत वोट है वह उसको मिलने की संभावना है वही प्रत्याशी अंसारी बिरादरी का होने के नाते अब देखना यह है अंसारी बिरादरी बिरादर को कितना लाइक करती है या फिर समाजवादी पार्टी की ओर या बसपा की ओर जाती है अभी चुनाव का कुछ भी खुलासा नहीं किया जा सकता कि जनता किस के फेवर में वोट करेगी यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा लेकिन 14 फरवरी को सब दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा किस के फेवर में फैसला होगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा

कौंधियारा में चौकीदार की धारदार हथियार से हत्या,पुलिस जांच में जुटी

आनंद राय

कौधियारा प्रयागराज। प्रयागराज के कौंधियारा क्षेत्र में बीती रात कान्हा गो आश्रय के चौकीदार की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई।

हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस तफ्तीश में जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार कौंधियारा थाना क्षेत्र के नौगवा गांव निवासी 55 वर्षीय सुनायक पटेल पुत्र अर्जुन लाल पटेल प्रयागराज के कौंधियारा में कान्हा गो आश्रय स्थल के चौकीदार को अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कौंधियारा थाना क्षेत्र के

नौगवा गांव निवासी 55 वर्षीय सुनायक पटेल पुत्र अर्जुन लाल पटेल कान्हा गो आश्रय स्थल नौगवा में चौकीदार था। सोमवार की रात में वह चौकीदारी कर रहा था। इसी

दौरान अज्ञात बदमाश वहां पहुंचे और उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में सुनायक पटेल गंभीर रूप से जख्मी हो गया। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण वहां पहुंचे। हालांकि तब तक हमलावर वहां से फरार हो चुके थे। जानकारी मिलने पर पहुंचे सुनायक के परिवार के लोग भी वहां पहुंचे। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया। कौंधियारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान सुबह सुनायक पटेल की मौत हो गई। उधर वारदात स्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। हमला करने वालों की पुलिस तलाश कर रही है हालांकि अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल सका है। सुनायक पटेल की पांच बेटियां हैं। इनमें से चार बेटियों की शादी कर चुकी है। चारों बेटियां नौगवा में

ही रहती हैं। उसके एक भी बेटा नहीं हैं। बताते हैं कि सुनायक के पास चार बीघे खेत भी है। सुनायक की हत्या से पत्नी व बेटियों समेत परिवार में गम का माहौल है।

भाजपा कार्यालय का मेजा रोड मे हुआ उद्घाटन

विवेक राय

मेजा,प्रयागराज। हर-हर महादेव, जय श्री राम और भारत माता के जयकारों की गूंज के बीच मेजारोड में भाजपा प्रयागराज कार्यालय का उद्घाटन रविवार की शाम को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। मेजा विधान सभा की भाजपा प्रत्याशी नीलम करवरिया ने पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा मेजा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को नवनिर्मित कार्यालय की बधाई दी।

श्रीमती करवरिया ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी ने अपनी इच्छा जाहिर की थी कि सभी जिलों में पार्टी का अपना कार्यालय हो। उनकी यह इच्छा तात्कालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष व वर्तमान में गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में पूरी की।जिलाध्यक्ष विभव भारती ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के समर्पण से बने कार्यालय के पहले पंचायत चुनाव मे जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा।

इस मौके पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती, ब्लाक प्रमुख मेजा प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्रा,शैलेश पांडेय,,जितेंद्र शुक्ला आदि आज भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वॉलीबॉल लीग : रोमांचक मैच में कोलकाता थंडरबोल्ट्स ने कालीकट हीरोज को 3-2 से हराया

हैदराबाद। पांचवें और निर्णायक सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता थंडरबोल्ट्स ने सोमवार रात यहां जीएमसी गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए पावर्ड बाय ए 23 रुपे प्राइम

वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के पहले सीजन के तीसरे मैच में कालीकट हीरोज को 3-2 (15-13, 12-15, 15-10, 12-15, 15-13) से हरा दिया। कोलकाता थंडरबोल्ट्स के कप्तान अश्वल राय को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया।

कोलकाता ने टॉस जीतकर शानदार शुरुआत की और टेक्निकल टाइम आउट तक दो प्वाइंट की बढ़त बना ली। इसके बाद टीम दो क्रेड सुपर प्वाइंट लेकर 13-10 से आगे हो गई। टीम ने आगे भी अपनी लीड कायम रखते हुए 15-13 से पहला सेट जीत लिया। दूसरे सेट में भी टेक्निकल टाइम आउट तक कोलकाता तीन प्वाइंट से आगे थी।

इसके बाद थंडरबोल्ट्स के हाथों से क्रेड सुपर प्वाइंट निकल गया, जिससे कालीकट को तीन प्वाइंट की लीड मिल गई और उसने 15-12 से दूसरा सेट अपने नाम कर लिया।

कोलकाता ने लगातार तीसरी बार टेक्निकल टाइम आउट तक तीसरे सेट में दो प्वाइंट की लीड बना ली। इसके बाद कप्तान अश्वल राय ने सुपर ब्लॉक करके कोलकाता को लीड में बनाए रखा। कोलकाता की टीम क्रेड सुपर प्वाइंट लेकर 5 प्वाइंट से आगे हो गई और तीसरा सेट 15-10 से जीतकर मुकाबले में 2-1 की लीड बना ली। कालीकट हीरोज ने चौथे सेट में वापसी की और टेक्निकल टाइम आउट तक 5 प्वाइंट की लीड ले ली। इसके बाद कोलकाता ने क्रेड सुपर प्वाइंट का दांव खेला और टीम इसमें सफल रही। कालीकट ने आगे भी अजीत के सुपर स्पाइक के जरिए अपनी बढ़त कायम रखी और फिर 15-12 से चौथा सेट जीतकर मैच में 2-2 से बराबरी पर आ गई। पांचवें और निर्णायक सेट में दोनों टीमों के बीच मुकाबला काफी कड़ा रहा। टेक्निकल टाइम आउट तक कालीकट हीरोज 3 प्वाइंट से आगे थी। यहां से कोलकाता ने दो क्रेड सुपर प्वाइंट लेकर लीड को कम कर दिया। हालांकि 13-13 से स्कोर बराबर रहने के बाद कोलकाता थंडरबोल्ट्स ने लगातार दो प्वाइंट लेकर अंतिम सेट को 15-13 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

राष्ट्रमंडल खेलों की तारगोला फेंक स्पर्धा में भारत के इकलौते पदक विजेता थे 'भीम' प्रवीण सोबती

नयी दिल्ली। महाभारत में 'भीम' का किरदार निभाकर उन्हें काफी लोकप्रियता मिली लेकिन उससे पहले प्रवीण कुमार सोबती एक शानदार खिलाड़ी थे और राष्ट्रमंडल खेलों की तारगोला फेंक (हैमर थ्रो) स्पर्धा में भारत के पहले और इकलौते पदक विजेता थे।

74 वर्ष के सोबती का सोमवार की शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इसके बाद से मनोरंजन से लेकर खेल जगत तक हर वर्ग से उनके लिये श्रद्धांजलि दी जा रही है।

पंजाब के सरहाली कलां गांव के रहने वाले सोबती बीएसएफ के पूर्व जवान थे। उन्होंने भारत के लिये एशियाई खेलों में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीते थे। साठ और 70 के दशक में चक्काफेंक और तारगोला फेंक में उन्होंने कई पदक जीते जिसमें एशियाई खेलों के तीन और राष्ट्रमंडल खेल का एक पदक शामिल है। उन्होंने

1968 मैक्सिको और 1972 म्युनिख ओलंपिक में भी भाग लिया जिसमें इस्त्राइली खिलाड़ियों की फलस्तीन के एक आतंकी समूह ने हत्या की थी।

सोबती ने चक्का फेंक में 1966 और 1970 एशियाई खेलों में पदक जीता और 1966 में तारगोला फेंक में कांस्य और उसी साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1974 एशियाई खेलों में चक्का फेंक में भी रजत पदक जीता था।

राष्ट्रमंडल खेलों की तारगोला फेंक स्पर्धा में उनका रजत किसी भारतीय का इकलौता पदक है।

खेलों के अपने सफर के बाद उन्होंने मनोरंजन जगत में दूसरी पारी की शुरूआत की। उन्होंने 2013 में आम आदमी पार्टी की सदस्यता भी ली लेकिन अगले साल भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

उनके साथी रहे बहादुर सिंह ने कहा,'' वह काफी जिंदादिल और सकारात्मक इंसान थे। प्रतियोगिताओं में, अभ्यास के दौरान या आम बातचीत में वह काफी खुशदिल रहते थे। वह हमेशा लतीफे सुनाते रहते थे। वह जहां भी होते, हर कोई हंसता रहता था।'' सोबती ने 1988 में बी आर चोपड़ा के धारावाहिक महाभारत में भीम की भूमिका निभाई। इसके अलावा 'युद्ध', 'अधिकार', 'हुकूमत', 'शहंशाह', 'घायल' और 'आज का अर्जुन ' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

800 मीटर के महान धावक श्रीराम सिंह ने कहा कि सोबती जूनियर खिलाड़ियों से भी काफी सम्मान और प्यार से मिलते थे।

ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान आना पीसीबी के लिए एक बड़ी उपलब्धि :अकरम

कराची। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान दौरे के लिए सहमत होना देश के क्रिकेट बोर्ड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। पहला टेस्ट 4 मार्च से रावलपिंडी में खेला जाएगा।

सीबी पॉडकास्ट पर अकरम ने कहा, ऑस्ट्रेलिया का 24 साल बाद पाकिस्तान आना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए एक उपलब्धि है। इस श्रृंखला का हमारे क्रिकेट पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे हमारे खिलाड़ियों के दृष्टिकोण और मानसिकता में सुधार होगा। अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए, इस खेल से प्यार करने और अपने करियर में अधिक से अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होने के लिए यह एक अवसर होगा।

उन्होंने आगे कहा, ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे से एक मजबूत और शक्तिशाली संदेश जाएगा कि यहां सब कुछ ठीक और सामान्य है। यह पाकिस्तान में हमारा तीसरा एचबीएल पीएसएल है और मैं विदेशी खिलाड़ियों को बताता रहता हूं कि यह सुरक्षा इसलिए की गई है क्योंकि हम बहुत सतर्क हैं और कुछ भी जोखिम नहीं लेना चाहते। विदेशी खिलाड़ी इस तर्क को समझते हैं और यहां आने और खेलने के लिए खुश हैं।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों से एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी में मदद मिलेगी : झिंगन, गुरप्रीत

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के सीनियर खिलाड़ियों संदेश झिंगन और गुरप्रीत सिंह संधू का मानना है कि बहरीन और बेलारूस के खिलाफ आगामी अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले एशियाई कप क्वालीफायर से पहले खिलाड़ियों के कौशल को परखने का शानदार मौका होगा। भारत को बहरीन और बेलारूस के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले क्रमशः 23 और 26 मार्च को खेलने हैं। ये दोनों मुकाबले बहरीन के मनामा में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया को कोचिंग देने में कोई दिलचस्पी नहीं :जेसन गिलेस्पी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने मंगलवार को कहा कि जस्टिन लैंगर के इस्तीफे के बाद ऑस्ट्रेलिया को कोचिंग देने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को पुरुष टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, ÷जस्टिन को उनके मौजूदा अनुबंध के लिए अल्पकालिक विस्तार की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं करने का विकल्प चुना है।

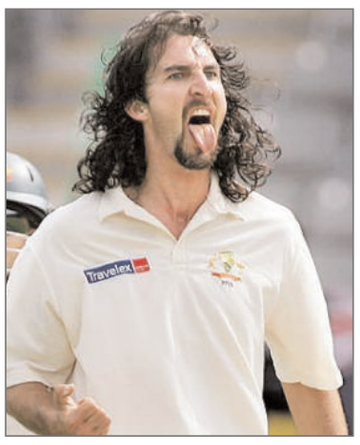

गिलेस्पी ने कहा, मैं किसी भी नौकरी के लिए खुद को तैयार नहीं कर रहा हूं, मैं दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मुझे यहां बहुत काम करना है और मैं इसे पूरी तरह से पसंद कर रहा हूं।

लैंगर के इस्तीफे के बारे में बात करते हुए, गिलेस्पी ने कहा, ÷मुझे लगता है कि हर कोई इस बात से बहुत निराश है। ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत दिल दहला देने वाला है। जस्टिन ने खुद को बहुत अच्छी तरह से संभाला ... लेकिन मुझे लगता है कि हर किसी की राय है जो शायद अलह हो सकती है, लेकिन सीए द्वारा लैंगर मामले को थोड़ा बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था।

उन्होंने कहा, हम नहीं जानते कि बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, क्या (वर्तमान) खिलाड़ी जस्टिन के पास पहुंचे हैं। मुझे केवल इतना पता है, कि लैंगर ने पिछले कई वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा काम किया है।

लैंगर को 2018 में सैंडपेपर गेट मामले के बाद पुरुष टीम का कोच नियुक्त किया गया था।

सैंडपेपर गेट मामले में डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। लैंगर के नेतृत्व में, ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप 2021 और फिर एशेज जीतने में सफल रहा।

वर्ष 2019 के खराब सीजन के बाद लगा कि आईपीएल कैरियर समाप्त हो जाएगा : सिराज

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने खुलासा किया है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के साथ 2019 के खराब सीजन के बाद उन्हें लगा था कि उनका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कैरियर खत्म हो गया है।

वर्ष 2019 में आरसीबी के लिए खेले गए नौ मैचों में सिराज ने सात विकेट लिए और 9.55 की इकॉनमी रेट से रन दिए। केकेआर के खिलाफ मैच में, सिराज ने 2.2 ओवर में 36 रन दिए और दो बीमर फेंकने पर उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया।

सिराज ने आरसीबी पॉडकास्ट पर कहा, 2019 आरसीबी के साथ प्रदर्शन इतना खराब था कि मुझे लगा कि यह मेरे आईपीएल करियर का अंत है। लेकिन तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास अभी भी उम्र है। इसलिए मैंने खुद पर थोड़ा भरोसा करने का फैसला किया और शुक्र है कि आरसीबी प्रबंधन ने भी मेरा समर्थन किया और फिर 2020 में केकेआर के खिलाफ मैच मेरे लिए जीवन बदलने वाला मैच था। सिराज ने कहा, जब मैंने केकेआर के खिलाफ दो बीमर फेके, तो लोगों ने कहा,

क्रिकेट छोड़ो और वापस जाओ और अपने पिता के साथ ऑटो चलाओ। इस तरह की कई टिप्पणियां थीं। लोग इस सब के पीछे संघर्ष नहीं देखते हैं। लेकिन मुझे याद है जब मुझे चुना गया तब कैसे एमएस धोनी ने मुझसे कहा कि लोगों की मत सुनो। आज आप अच्छा करते हैं तो वे आपकी प्रशंसा करेंगे और जब आप खराब प्रदर्शन करेंगे तो वही लोग आपको गाली देंगे। तो कभी इसे गंभीरता से मत लो। और हां, वही लोग जिन्होंने मुझे बार-बार ट्रोल किया, फिर कहते हैं तुम सबसे अच्छे गेंदबाज हो भाई। तो, मुझे पता है। मुझे किसी की राय नहीं चाहिए। मैं वही सिराज हूं जो मैं तब था।

आईपीएल 2020 में आरसीबी के लिए अच्छे प्रदर्शन के बाद सिराज को 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। आईपीएल 2020 में सिराज टूर्नामेंट के इतिहास में दो मेडन ओवर फेंकने वाले पहले गेंदबाज भी बने।

सिराज आईपीएल 2022 के लिए आरसीबी द्वारा रिटेन किए जाने वाले तीन खिलाड़ियों में से एक हैं। अन्य दो खिलाड़ी विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल हैं। आईपीएल 2022 से पहले मेगा नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगी।

आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप की सफल मेजबानी के लिए सीडब्ल्यूआई का जताया आभार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आईसीसी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2022 की सफल मेजबानी के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) को धन्यवाद दिया।

खेल के भविष्य के सितारों को प्रदर्शित करने वाला यह आयोजन 14 जनवरी से 5 फरवरी तक हुआ और रोमांचक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के 48 मैचों के बाद भारत ने खिताब अपने नाम किया।

चार मेजबानों गुयाना, सेंट किट्स एंड नेविस, त्रिनिदाद और टोबैगो, एंटीगुआ एंड बारबुडा में प्रतिस्पर्धा करने वाली 16 टीमों के साथ, यह आयोजन सफलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से किया गया था, जिसमें भारत ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड पांचवीं बार ट्रॉफी जीती थी।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी, ज्योफ एलार्डिस ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ÷हम आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2022 की सफल मेजबानी से खुश हैं। ऑपरेशन का पैमाना, एक वैश्विक महामारी के दौरान चार देशों में 16 टीमों की मेजबानी करना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हमारे मेजबानों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक उत्कृष्ट काम किया कि हम खेल के भविष्य के सितारों को विश्व कप में खेलने का मौका दे सकें।

उन्होंने कहा, हम क्रिकेट वेस्टइंडीज, चार मेजबान देशों, खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के साथ अपना धन्यवाद साझा करते हैं। साथ ही, भारत को 2022 संस्करण जीतने के लिए बधाई, जो पूरी तरह से योग्य उपलब्धि थी।

अंडर 19 विश्व कप जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय टीम

नयी दिल्ली । भारत की अंडर 19 टीम पांचवीं बार विश्व कप जीतकर मंगलवार को स्वदेश लौट आई। यश धुल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज से एम्स्टर्डम और दुबई के रास्ते बेंगलुरू की उड़ान ली थी। खिलाड़ी शाम को अहमदाबाद पहुंचेंगे जहां बीसीसीआई ने बुधवार को उनका सम्मान समारोह रखा है। आईसीसी सभी प्रतियोगी टीमों के लिये यात्रा का इंतजाम करती है तो भारतीय दल इकॉनामी क्लास से लौटा है जिससे यात्रा काफी थकाऊ हो गई। एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भी टीम के साथ वेस्टइंडीज में थे। वह चयनकर्ताओं और पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ अलग लौटे हैं। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे लीग मैच से पहले भारतीय खेमे में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद इन खिलाड़ियों को भेजा गया था।

आकाश ने जड़ा शतक, कल्पना ने आठ विकेट से एलकेए को दी मात

दूसरे मैच में आईपीआरके क्रिकेट क्लब ने मैनचेस्टर को छह विकेट से हराया

लखनऊ। बीबीडी लीग में आज दो मैच खेले गये। आईपीआरके क्रिकेट क्लब ने मैनचेस्टर क्लब को छह विकेट से हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन ने लखनऊ क्रिकेट एकेडमी को आठ विकेट से मात दी।

कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन ने टास जीतकर पहले क्षेत्र रक्षण करने का फैसला लिया। लखनऊ क्रिकेट की टीम 128 रन बनाकर 24वें ओवर में ही आल आउट हो गयी। इसमें सर्वाधिक यशवर्धन ने 46 बाल पर 57 रन बनाये। कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन की टीम ने दो विकेट गंवाकर 24वें ओवर में ही 131 रन बना लिये और आठ विकेट से मैच को जीत लिया। इसमें सर्वाधिक 102 रन आकाश रावत ने बनाये। मैन ऑफ द मैच का खिताब भी आकाश रावत को दिया गया।

वहीं दूसरे मैच में मैन चेस्टर क्लब ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 129 रन बनाये। इसमें सर्वाधिक 60 रन सन्नी यादव ने बनाये। वहीं आईपीआरके टीम के निशु यादव ने सात ओवर गेंद डालते हुए दो मेडेन के साथ ही 32 रन देकर चार विकेट झटके। आईपीआरके क्लब की टीम चार विकेट खोकर 130 रन बना ली और छह विकेट से मैच को जीत लिया। इसमें सर्वाधिक 46 रन रनवीर यादव ने बनाये। वहीं सूरज यादव ने 28 रन का योगदान दिया।

अभिनय के अलावा खेलों के भी 'भीम' थे प्रवीण कुमार

नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा की दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले सीरियल महाभारत को कोई भला कैसे भूल सकता है। रवि चोपड़ा के निर्देशन में बने इस सीरियल का हर किरदार घर-घर लोकप्रिय था और इन्हीं किरदारों में एक किरदार भीम का था, जिसको निभाया था, प्रवीण कुमार सोबती ने, जिनका सोमवार रात 74 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया।

प्रवीण 60/70 के दशक में भारतीय एथलेटिक्स के स्टार थे। उन्होंने 1966 और 1970 के एशियाई खेलों में डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीता, जिसमें 56.76 मीटर का एशियाड रिकॉर्ड था।

उन्होंने 1966 राष्ट्रमंडल खेलों और 1974 एशियाड में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1968 के ओलंपिक और 1972 के ओलंपिक में भाग लिया। 1967 में खेल के सर्वोच्च पुरस्कार अर्जुन अवॉर्ड से उन्हें सम्मानित किया गया।

सिंधू, मीराबाई बीबीसी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में

नयी दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू बीबीसी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में है। नामांकन की घोषणा मंगलवार को की गई। सिंधू और मीराबाई के अलावा गोल्फर अदिति अशोक, तोक्यो पैरालम्पिक में कई पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन भी दौड़ में है।

आस्ट्रेलिया का कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं गिलेस्पी, कहा लैंगर की रवानगी दुखद

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के नये मुख्य कोच बनने के प्रबल दावेदार बताये जा रहे पूर्व तेज गेंदबाज जैसन गिलेस्पी ने मंगलवार को कहा कि उनकी इस पद में कोई रूचि नहीं है और उन्होंने जस्टिन लैंगर की रवानगी को 'दिल तोड़ने वाली' बताया। आस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप और एशेज श्रृंखला 4 . 0 से जिताने वाले कोच लैंगर ने शनिवार को पद से इस्तीफा दे दिया। खिलाड़ियों को उनकी कोचिंग शैली पसंद नहीं आ रही थी। साउथ आस्ट्रेलिया के कोच गिलेस्पी को ट्रेवर बेलिस, रिकी पोंटिंग, ग्रेग शिपेर्ड और माइकल डि वेनुटो के साथ पद के दावेदारों में गिना जा रहा है। गिलेस्पी ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा,'' मैं किसी पद की दौड़ में नहीं हूं। मैने इस बारे में सोचा तक नहीं है।'' आस्ट्रेलिया के लिये 71 टेस्ट में 259 और 97 वनडे में 142 विकेट ले चुके गिलेस्पी ने कहा,'' हाल ही में जो कुछ हुआ, उससे सभी दुखी है। ईमानदारी से कहूं तो यह दिल तोड़ने वाला है।'' उन्होंने कहा,'' सभी का मानना है कि हालात से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। जस्टिन ने काफी अच्छे से इसका सामना किया।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल पर जीत से ओडिशा की उम्मीदें बरकरार

गोवा। ओडिशा एफसी ने सोमवार रात जीत हासिल करके हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 की शीर्ष चार टीमों के करीब पहुंचने की उम्मीदों का बरकरार रखा है। ओडिशा ने वास्को डे गामा स्थित तिलक मैदान स्टेडियम में खेले गए लीग मुकाबले में एससी ईस्ट बंगाल को 2-1 से हरा दिया।

अपनी छठी जीत से ओडिशा तालिका में आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गई है और उसकी शीर्ष-चार में पहुंचने की उम्मीदों कायम है। कोच किनो गार्सिया की टीम 15 मैचों से 21 अंक जुटा चुकी है। वहीं, अपनी आठवीं हार के बाद ईस्ट बंगाल तालिका में 10वें स्थान पर बरकरार है। कोच मारियो रिवेरा की टीम के खाते में 16 मैचों से मात्र दस अंक हैं।

मैच का पहला गोल 23वें मिनट में आया, जब जोनाथस क्रिस्टियान ने ओडिशा एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। दाहिने फ्लैंक से बने हमले में स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर जावी हेर्नांडेज ने गेंद

पास लेने के बाद ईस्ट बंगाल की डिफेंस को भेदते हुए डी-बॉक्स के अंदर घुस गए और फिर गोललाइन से गेंद को माइनस करके जोनाथस के लिए आसान सा अवसर बनाया। इस ब्राजीली फॉरवर्ड ने राइट फुटर शॉट से गेंद को गोलपोस्ट की दिशा दिखाने में कोई भी गलती नहीं की। ईस्ट बंगाल के गोलकीपर शंकर रॉय केवल गेंद को देखते रह गए।

64वें मिनट में क्रोएशियन फॉरवर्ड एंटोनिओ पेरोसेविक ने शानदार गोल करके ईस्ट बंगाल को 1-1 की बराबरी दिला दी। हाफ लाइन से क्रोएशियन सेंट्रल बैक फ्रैंजो प्रसे ने एक लम्बे थ्रू-पास से अपने हमवतन स्ट्राइकर को ढूंढा। पेरोसेविक ने बढ़िया रन बनाते हुए अपने साथ लगे डिफेंडरों को पीछे छोड़कर गेंद को नियंत्रित करके बॉक्स के अंदर से लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गोलपोस्ट की ओर भेज दिया और ओडिशा के गोलकीपर अर्शदीप सिंह अपने बायीं तरफ से गेंद को गोललाइन पार करते हुए देखने के सिवाय कुछ नहीं कर सके।

75वें मिनट में स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर जावी हेर्नांडेज के गोल से ओडिशा ने फिर से बढ़त बनाते हुए स्कोर अपने पक्ष में 2-1 कर दिया। जोनाथस ईस्ट बंगाल के चार डिफेंडरों के बीच घिरा होने के बावजूद गेंद लेकर डी-बॉक्स के घुसे और अपने गेंद को माइनस करके जावी के लिए अवसर बनाया। स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर ने तेजी से आगे आकर बॉक्स के अंदर से करारा राइट फुटर शॉट लगाया और डिफेंडर से डिफ्लेशन के कारण गेंद दाहिनी तरफ डाइव लगाते गोलकीपर शंकर रॉय की पहुंच से दूर निकलकर गोलपोस्ट के अंदर चली गई। इस परिणाम के साथ ही सीजन में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में पलड़ा ओडिशा का भारी रहा। क्योंकि पहले चरण में खेले दस गोलों वाले हाई-स्कोरिंग मुकाबले को ओडिशा एफसी ने 6-4 से जीता था। यह हीरो आईएसएल में दूसरा सबसे बड़ा स्कोरिंग मैच है, और 21-22 हीरो आईएसएल में उच्चतम स्कोरिंग गेम है।